केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 246 शुक्रवार 29 मार्च 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

रामपुर में 12 उम्मीदवारों का नामांकन रद्द

रामपुर (आभा)। रामपुर में आजम खान के करीबी आसिम रजा समेत 12 प्रत्याशियों का पर्चा खारिज हो गया है। आसिम रजा ने भी बतौर सपा प्रत्याशी नामांकन किया था। उनके नामांकन के साथ पार्टी का सिंबल नहीं था।

सपा ने यहां से बुधवार को ही प्रत्याशी का फैसला किया और दिल्ली के इमाम महीबुल्लाह नदवी को मैदान में उतारा है। आसिम राज का नामांकन रद होने से सपा ने राहत की सांस भी ली है। अब यहां सपा से केवल एक ही प्रत्याशी नदवी मैदान में हैं। इसी तरह मुरादाबाद में एसटी हसन का नामांकन भी रद हो गया है।

नगर थाने का आकस्मिक निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

नगर बाजार (बस्ती) । अपर पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह ने बीती रात नगर थाना का आकस्मिक दौरा कर राजकीय सम्पति माल खाना अभिलेखों का निरीक्षण किया और सम्बंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिया। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि व्यवस्था को और अधिक सुदृढ बनाने के लिए नगर थाने का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान राजकीय संपत्ति, मालखाना, अभिलेखों की गुणवत्ता, परिसर की साफ सफाई की चेकिंग किया।

निरीक्षण के दौरान थाना परिसर, बैरक की साफ सफाई को विशेष महत्व दिया गया। साथ ही थाने पर मेस, राजकीय संपत्ति, शस्त्र–कारतूस, की स्थिति, अभिलेखों का अवलोकन व रखरखाव, सीसीटीएनएस, नक्शे, चार्ट, तख्तियां, डाकबही, गैंगचार्ट, बीट बुक, हिस्ट्रीशीटर की निगरानी, कंप्यूटरीकृत अभिलेखों के संबंध में डाटा की अद्यावधिक स्थिति, थाने पर मौजूद असलाह शस्त्र का निरीक्षण किया। थाने पर माल– मशरूका के निस्तारण, हिस्ट्रीशीटरों की निगरानी करने व अधिक से अधिक बीट सूचनाएं अंकित करने के निर्देशित किया गया।इस दौरान थानाध्यक्ष नगर जय वर्धन सिंह समेत तमाम पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

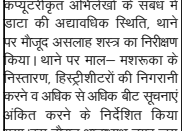

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । गुरुवार को कप्तानगंज कस्बे मे संचालित माँ गायत्री कान्वेंट स्कूल के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम धूम धाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अथिति भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र तथा विशिष्ट अतिथि समाजसेवी इंजि वीरेंद्र कुमार मिश्र थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि ने मां सरस्वती के पावन चित्र पर पूजन आर्चन एवं माल्यार्पण करके किया। फिर विद्यालय के बच्चो ने सरस्वती वंदना गणेश वंदना स्वागत गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में भाषण, डांस, कव्वाली, नाटक आदि की प्रस्तुति देकर दर्शक दीर्घा का आशीर्वाद प्राप्त किया। अंत में विद्यालय के निदेशक डॉ अरविंद कुमार मिश्र ने आए हुए समस्त अतिथियों अभिभावकों का आभार प्रकट कर कार्यक्रम समापन की घोषणा की। इस मौके पर अशोक कुमार मिश्र (प्रबंधक), राज कुमार पांडेय, मनोज तिवारी, शनि यादव, हरिओम तिवारी अंबेश्वरी त्रिपाठी ज्योति सिंह विभा पांडे डॉ जितेंद्र मौर्य प्रेमचंद मिश्र, राम रतन, सेलिना राघवेंद्र त्रिपाठी दिलीप यादव अजय सिंह विजय सेन त्रिपाठी सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

600 नामी–गिरामी वकीलों ने सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ को लिखी चिट्ठी

नई दिल्ली (आभा)। देशभर के करीब 600 नामी–गिरामी वकीलों द्वारा सीजेआई डीवाई चंद्रचूड को लिखी गई चिट्ठी पर पीएम मोदी ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने लिखा है कि दूसरों को डराना–धमकाना कांग्रेस की पुरानी संस्कृति है। वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे और 'बार काउंसिल ऑफ इंडिया' के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा समेत अनेक वकीलों ने सीजेआई चंद्रचूड को पत्र लिखकर आरोप लगाया था कि एक निहित स्वार्थ वाला समूह श्बेकार के तर्कों और घिसे–पिटे राजनीतिक एजेंडाश के आधार पर न्यायपालिका पर दबाव डालने और अदालतों को बदनाम करने का प्रयास कर रहा है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्सश पर वकीलों की चिट्ठी को लेकर पीएम मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए लिखा, 'पांच दशक पहले ही उन्होंने प्रतिबद्ध न्यायपालिका का आह्वान किया था। वे बेशर्मी से अपने स्वार्थों के लिए दूसरों से प्रतिबद्धता चाहते हैं लेकिन राष्ट्र के प्रति किसी भी प्रतिबद्धता से बचते हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि 140 करोड़ भारतीय उन्हें अस्वीकार कर रहे हैं।' बता दें कि भारत के प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ को 26 मार्च को लिखे गए पत्र में कहा गया है, श्श्उनकी दबाव की रणनीति राजनीतिक मामलों में, विशेषकर उन मामलों में सबसे ज्यादा स्पष्ट होती है जिनमें भ्रष्टाचार की आरोपी राजनीतिक हस्तियां होती हैं। ये रणनीतियां हमारी अदालतों के लिए हानिकारक हैं और हमारे लोकतांत्रिक ताने–बाने को खतरे में डालती हैं।'

आधिकारिक सूत्रों द्वारा साझा किए गए पत्र में बिना नाम लिए वकीलों के एक वर्ग पर निशाना साधा गया है और आरोप लगाया गया है कि वे दिन में राजनेताओं का बचाव करते हैं और फिर रात में मीडिया के माध्यम से न्यायाधीशों को प्रभावित करने की कोशिश करते हैं। पत्र में कहा गया है कि यह समूह अदालतों के कथित बेहतर अतीत और सुनहरे दौर की झूठी कहानियां बनाता है और इसकी तुलना वर्तमान में होने वाली घटनाओं से करता है। पत्र में दावा किया गया है कि उनकी टिप्पणियों का उद्देश्य अदालतों को प्रभावित करना और राजनीतिक लाभ के लिए उन्हें असहज करना है। श्न्यायपालिका पर खतरारू राजनीतिक और पेशेवर दबाव से न्यायपालिका को बचानाश शीर्षक वाले पत्र को लिखने वाले करीब 600 अधिवक्ताओं में आदिश अग्रवाल, चेतन मित्तल, पिंकी आनंद, हितेश जैन, उज्ज्वला पवार, उदय होला और स्वरूपमा चतुर्वेदी के नाम शामिल हैं।

यूं तो वकीलों ने पत्र में किसी विशिष्ट मामले का उल्लेख नहीं किया है, लेकिन यह घटनाक्रम ऐसे समय में आया है जब अदालतें विपक्षी नेताओं से जुड़े भ्रष्टाचार के कई बड़े आपराधिक मामलों से निपट रही हैं। विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार पर अपने राजनीतिक प्रतिशोध के तहत उनके नेताओं को निशाना बनाने का आरोप लगाया है, वहीं सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस आरोप का खंडन किया है। इन विपक्षी पार्टियों ने, जिनमें कुछ जाने–माने वकील भी शामिल हैं, ने दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की हालिया गिरफ्तारी के खिलाफ हाथ मिलाया है। पत्र लिखने वाले वकीलों ने कहा है कि इस समूह ने 'बेंच फिक्सिंग' की पूरी कहानी गढ़ी है जो न केवल अपमानजनक है बल्कि अदालतों के सम्मान और गरिमा पर आघात है। पत्र के अनुसार, 'ये लोग अपनी अदालतों की तुलना उन देशों से करने के स्तर तक चले गए जहां कानून का कोई शासन नहीं है।श्श इन अधिवक्ताओं ने कहा है कि इन आलोचकों का रवैया कुछ ऐसा है कि जिन फैसलों से वे सहमत होते हैं, उनकी तारीफ करते हैं, लेकिन उनकी असहमति वाले किसी भी फैसले की वे अवमानना करते हैं।

कांग्रेस ने वकीलों के एक समूह द्वारा प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ को पत्र लिखे जाने पर प्रधानमंत्री मोदी के बयान को पाखंड की पराकाष्ठा करार देते हुए गुरुवार को आरोप लगाया कि पिछले 10 वर्षों में चीजों को तोड़ने–मरोड़ने, ध्यान भटकाने और लोगों को बदनाम करने का काम किया गया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि हाल के हफ्तों में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें कई झटके दिए हैं और चुनावी बॉन्ड योजना इसका एक उदाहरण है। रमेश ने श्एक्सश पर पोस्ट किया, श्श्न्यायपालिका की रक्षा के नाम पर, न्यायपालिका पर हमले की साजिश रचने और इसमें समन्वय करने में प्रधानमंत्री की बेशर्मी पाखंड की पराकाष्ठा है। हाल के हफ्तों में उच्चतम न्यायालय ने उन्हें कई झटके दिए हैं। चुनावी बॉण्ड योजना तो इसका एक उदाहरण है।श्श कांग्रेस नेता ने दावा किया, श्श उच्चतम न्यायालय ने चुनावी बॉण्ड को असंवैधानिक घोषित कर दिया और अब यह बिना किसी संदेह के साबित हो गया है कि यह (बॉण्ड) कंपनियों को भाजपा को दान देने के वास्ते मजबूर करने के लिए भयभीत करने, ब्लैकमेल करने और धमकी देने का एक जबरदस्त साधन था।

श्रीकृष्णा मिशन हास्पिटल में स्पाइन सर्जरी कर बचाया महिला की जान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । श्रीकृष्णा मिशन हास्पिटल के चेयरमैन बसन्त चौधरी ने बताया कि पूर्वान्चल के मरीजों की आवश्यकता को देखते हुये हास्पिटल को मल्टी हास्पिटल के रूप में निरन्तर विकसित किये जा रहे हैं। जनपद में हार्ट और न्यूरो चिकित्सकों की बेहद आवश्यकता है, इस दिशा में श्रीकृष्णा मिशन ने प्रदेश के अनेक प्रतिष्ठित चिकित्सकों से सहयोग मांगा है। न्यूरो के चिकित्सक अपनी सेवायें दे रहे हैं। बताया कि हड्डी रोग विशेषज्ञ डा. राजकुमार आर्य ने 30 वर्षीया किरन चौधरी पत्नी दिनेश चौधरी जनपद महराजगंज की सफल स्पाइन सर्जरी कर मरीज को नया जीवन दिया। बताया कि श्रीकृष्णा मिशन हास्पिटल की यह बड़ी उपलब्धि है। अब हड्डीरोग से जुड़े जटिल रोगों का सफल इलाज संभव है और मरीजों को भटकना नहीं पड़ेगा। उनका अपने जनपद में ही उच्च कोटि का इलाज हो जायेगा। इसी कड़ी में वरिष्ठ सर्जन डा. अमित नायक ने 50 वर्षीया किसमता देवी निवासी लालगंज के पित्त की थैली से लगभग

–उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधा देना हमारा लक्ष्य– बसन्त चौधरी

50 एम.एम. की पथरी निकालकर सफल आपरेशन किया।

श्रीकृष्णा मिशन हास्पिटल के चेयरमैन बसन्त चौधरी ने बताया कि कोरोना काल के बाद से ही हास्पिटल को अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीक और सुयोग्य चिकित्सकों से समृद्ध किया जा रहा है। यही नहीं केन्द्र और प्रदेश सरकार के कल्याणकारी योजनाओं आयुष्मान भारत और कैशलेश चिकित्सा की पूरी सुविधा हास्पिटल में उपलब्ध है। बसन्त चौधरी ने जानकारी दिया कि श्रीकृष्णा मिशन हास्पिटल को माडल हास्पिटल के रूप में विकसित करने का उनका उद्देश्य मानव सेवा है। इस दिशा में हास्पिटल के सुयोग्य चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी निरन्तर मरीजों और उनके परिजनों का भरोसा जीत रहे हैं। उन्होने बेहोशी के चिकित्सक डा. असरार, स्वास्थ्य कर्मी सुनील वर्मा, जितेन्द्र, अमित, राजेश के योगदान की सराहना करते हुये हौसला बढाया।

विकास से कोसो दूर गिधनी सड़क तक नसीब नहीं

–कुलदीप चौधरी–

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । आजादी के बाद बीते 77 सालों में भारत ने विकास के पैमाने पर छलांग लगाते हुए चांद तक का सफर कर लिया , विज्ञान ने जमीन से लेकर आकाश तक अपनी तकनीकी का ईजाद किया ,स्वास्थ्य , शिक्षा , बिजली ,पानी ,सड़क की व्यवस्था के लिए हर वर्षों में काम किया गया लेकिन उत्तर प्रदेश के बस्ती जनपद में एक गांव ऐसा भी है जो विकास से कोसों दूर है.आजादी के 77 वर्ष बीत जाने के बाद भी आज तक गांव तक जाने के लिए कोई सड़क ही नही बन पाई जिसकी वजह से ग्रामीणों को विभिन्न प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। पूरा मामला बस्ती जनपद के सल्टौआ विकास खंड के ग्राम पंचायत बस्थनवा के राजस्व गांव गिधनी का है जहां पर चकबंदी प्रकिया की लापरवाही की वजह से गांव को आजतक सड़क ही नही मिल

पाया । लोकनिर्माण विभाग की सड़क के किनारे बसे इस गांव में करीब 35 लोगों ने मकान बनाया है लेकिन हालात यह है कि सड़क से गांव में जाने के लिए खेतों का मेड़ ही एक रास्ता है ।

गांव में पत्रकारों की टीम पहुंचने के बाद गांव के दर्जनों महिलाएं एवं पुरुष अपना –अपना काम छोड़ कर एकत्रित हो गए और लोगों ने सड़क न होने से उत्पन्न होने वाली समस्याओं को पत्रकारों से साझा किया । गांव के जुगानी ने बताया कि किसी आपातकालीन स्थिति में गांव तक फायर ब्रिगेड या एम्बुलेंस नही पहुंच पाता है , गर्भवती महिलाओं बुजुर्गों या किसी के भी बीमार होने पर उसे चारपाई पर लादकर गांव के बाहर मुख्य मार्ग पर लाना पड़ता है ।

गांव की माला देवी ने बताया कि हमारे गांव में रास्ता न होने की वजह से शादी विवाह करने वाले भी मुंह फेर लेते हैं और जिसकी शादी विवाह होती है तो उसे मौसम और समय का ध्यान देकर करना पड़ता है माला देवी कहती हैं कि बरसात के मौसम में खेतों में पानी भरा रहता है और उसी पानी से होकर हम सबको बाहर निकलने के लिए मजबूर होना पड़ता है ।

गांव के निवासी हनुमान ने बताया कि कई बार इस सड़क के लिए शिकायत की गई लेकिन हमारी फरियाद नहीं सुनी जा रही है. गांव में आने–जाने के लिए ग्रामीणों को काफी दिक्कतें हैं. बड़े वाहन के साथ छोटे वाहन भी इस मार्ग से नहीं आ पाते हैं. शिकायत के बावजूद भी हमारी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है. आखिर हम जानना चाहते हैं कि क्या हमारा गांव मानचित्र से बाहर है या फिर गांव में सड़क की व्यवस्था की जाएगी। इस मौके पर जुगानी , हरिद्वार , जवाहर ,लीलू , विधाराम ,काजू ,राजू , हनुमान , घारीदीन ,हीरा , राम शब्द , माला देवी , पुनिता देवी , नंदलाल , शिवनाथ ,अनिता देवी , कौशलिया , लकी देवी ,कलावती , चन्द्ररूप सहित पूरे गांव के लोगों ने सड़क बनाने की मांग किया ।

इस संबंध में क्षेत्रीय विधायक राजेन्द्र प्रसाद चौधरी से बात हुई तो उन्होंने कहा कि इस समस्या को लेकर वह चकबंदी विभाग के अधिकारियों से बात करेंगे और मार्ग से वंचित इस गांव को सड़क से जोड़ने की पहल किया जाएगा ।

केजरीवाल ने कोर्ट में दिया जवाब

नई दिल्ली (आभा) ।कथित शराब घोटाले मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बुरी तरह फंस चुके हैं। उन्हें ना जमानत मिल रही है और ना ही अभी तक क्लीन चिट मिलने के कोई संकेत दिख रहे हैं। इस बीच गुरुवार को जब राउज एवेन्यू कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई तो अरविंद केजरीवाल ने अपने बचाव में कई दलीलें पेश कीं। उनकी तरफ से यहां तक कहा गया कि सिर्फ कुछ लोगों के बयान के आधार पर एक सिटिंग सीएम को ऐसे ही गिरफ्तार कर लिया गया।

अरविंद केजरीवाल ने कोर्ट के सामने कई मौकों पर बोला उन तमाम आरोपियों को छोड़ दिया गया या उन्हें जमानत मिल गई जब उन्होंने केस में उनका नाम लिया। तर्क दिया गया कि कई आरोपियों ने पिछले बयानों में उनका कोई जिक्र नहीं किया, लेकिन अंत में जैसे ही उनका नाम लिया गया, तुरंत राहत दे दी गई। केजरीवाल ने कहा कि आरोपी शरत रेड्डी ने बीजेपी को 55 करोड़ का चंदा दिया और तभी उसे जमानत मिल गई। सीएम ने दो टूक बोला कि आम आदमी पार्टी को बर्बाद करना ईडी का मकसद है।

सीएम केजरीवाल शराब घोटाले के पैसों को लेकर भी एक बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि आरोप लग रहा है कि 100 करोड़ रुपये लिए गए। लेकिन जस्टिस संजीव खन्ना का एक आदेश है, जिसमें इस आरोप को भी संदिग्ध रखा गया है। सीएम आगे कहते हैं कि शरत रेड्डी 9 में से 8 बार अपने किसी बयान में रिश्वत का जिक्र नहीं करता, लेकिन 9वें बयान में मेरा नाम लेता है और जमानत मिल जाती है।

वार्षिकोत्सव में झूमा बचपन

भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । गुरूवार को सिटी मोंटेसरी स्कूल में विद्यालय के स्थापना दिवस एवं वार्षिकोत्सव का कार्यक्रम विद्यालय हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष विवेकानंद मिश्रा विद्यालय के प्रबंधक अनूप खरे प्रधानाचार्य नूपुर त्रिपाठी द्वारा सरस्वती पूजन कर प्रारंभ किया गया सरस्वती पूजन करने में विद्यालय की छात्रा हर्षिता एवं अनन्या द्वारा सरस्वती पूजन का कार्यक्रम कराया गया मां सरस्वती का पूजन करने के उपरांत कक्षा 5 के बच्चों द्वारा आए हुए सभी आगंतुकों का स्वागत स्वागत गीत प्रस्तुत किया। स्वागत गीत प्रस्तुत करने वाले बच्चों में राशि दीपशिखा नियति दिव्या शिक्षा अनन्या प्रज्वल एवं अनुराग द्वारा किया गया।

विद्यालय के प्रबंधक अनूप खरे ने मुख्य अतिथि विवेकानंद मिश्रा का स्वागत पुष्पगुच्छ देकर किया। इस अवसर पर प्रबंधक अनूप खरे ने कहा सीएमएस विद्यालय बस्ती वह उत्कृष्ट विद्यालय है जो बच्चों को शिक्षा के साथ–साथ संस्कार भी देता है और बच्चों को कमउम्र में बच्चों को उत्कृष्ट संस्थानों में जैसे आईआईटी,इसरो जैसे संस्थानो में भेजने का प्रयास करता है आप सब ने जिस प्रकार से आज तक आशीर्वाद दिया है ऐसे भविष्य में आप सब का आशीर्वाद मिलता रहेगा यह उम्मीद है । मुख्य अतिथि विवेकानंद मिश्रा ने कहा की सिटी मोंटेसरी स्कूल शहर का एकमात्र ऐसा विद्यालय है यहां संस्कार के साथ नए–नए आविष्कार भी बच्चों को करना सिखाया जाता है हमें ऐसी जानकारी मिली है कि अभी जल्द ही विद्यालय के बच्चों द्वारा एक कोई प्रोजेक्ट बनाया गया जिसे आईआईटी दिल्ली में प्रस्तुत करने का अवसर प्राप्त हुआ विद्यालय के प्रबंधक अनूप खरे जी का प्रयास सराहनीय है ।

इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता दादा विजय सेन सिंह जी प्रत्यूष विक्रम सिंह भानु मिश्रा अश्वनी श्रीवास्तव सत्येंद्र विश्वकर्मा दुर्गेश श्रीवास्तव प्रमोद कनौजिया संदीप कनौजिया मनोज मौर्य आदि उपस्थित रहे।

सांस्कृतिक कार्यक्रमो की कड़ी में बच्चों द्वारा गीत प्रस्तुत किया गया । 'दिल है छोटा सा' कक्षा चार के बच्चों द्वारा प्रस्तुत किया गया भाग लेने वाले बच्चे अनन्या समरीन अदिति एवं माही रही। इतनी सी हंसी ग्रुप गीत में कक्षा 5 और 6 के बच्चे राशि और उनके सभी साथियों द्वारा प्रस्तुत किया गया । छाप तिलक गीत कक्षा 9 की छात्रा हर्षिता के द्वारा बहुत ही सुंदर प्रस्तुति के साथ गाया गया। एकल गीत ओ मेरे दिल के चौन विद्यालय की कक्षा 7की छात्रा अनन्या के द्वारा प्रस्तुत किया गया सांस्कृतिक कार्यक्रम की कड़ी में बच्चों द्वारा नृत्य का कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया बम बम बोले जीत पर अथर्व शामिल एवं पुष्टि के द्वारा अपना नृत्य प्रस्तुत किया गया आज गली–गली अवध जीत पर दिव्या अन्य शिक्षा समृद्धि एवं अंशिका द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया गया साथ ही सपने रे गीत पर समर अयांश अविका रिद्धिमा आराध्य अपराजिता अंबिका जायस अजितेश वेदांत वेदांस के पूरे ग्रुप के साथ नृत्य प्रस्तुत किया गया। आए हुए सभी आगंतुकों एवं सभी अभिभावक गणों ने बच्चों के द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी कार्यक्रमों को काफी सराहा। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यापकों में संध्या त्रिपाठी सुषमा श्रीवास्तव सूरज श्रीवास्तव श्रीराम यादव मरियम फारुकी शिखा सिंह विमला सिंह स्मिता अस्थाना शशि कला सिंह दानिश रजा आशीष कुमार अंजू सिंह नीलम यादव कृतिका मिश्रा कुमार आनंद धर्मेंद्र त्रिपाठी शिव शंकर श्रीवास्तव अखिलेश कुमार अग्रहरी हिमांशी पांडे अनूपा धनवा एनी बेसेंट टिगगा अनीशा डांग संतोष पांडे मुस्कान मद्धेशिया ऋषभ श्रीवास्तव दीपिका श्रीवास्तव विनीत मिश्रा सोनाक्षी गुप्ता शिवांगी अहाना के साथ अध्यापक गण मौजूद रहे।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच मनाया गया सेन्ट्रल एकेडमी स्कूल का 25 वां स्थापना दिवस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । गुरूवार को सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच सेन्ट्रल एकेडमी सीनियर सेकेन्डरी स्कूल का 25 वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर नर्सरी से कक्षा 11 तक के विद्यार्थियों का अंक पत्र वितरित कर कक्षा में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को ट्राफी, मेडल देकर पुरस्कृत किया गया। प्रबंधक जे.पी. तिवारी ने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में बड़े योगदान के लिये सेन्ट्रल एकेडमी सीनियर सेकेन्डरी स्कूल की स्थापना किया गया था, यहां से पढकर निकले अनेक छात्र देश का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होने घोषणा किया कि नये सत्र से एकेडमी के 25 वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में छात्रो से प्रवेश शुल्क नहीं लिया जायेगा। इससे अभिभावकों को अपने पाल्यों को शिक्षित करने की दिशा में और सहजता होगी।

प्रधानाचार्य श्रीमती दीपिका तिवारी ने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुये कहा कि जिन छात्रों के अंक कम आये हैं वे और बेहतर प्रयास करें और जिन्होने स्थान प्राप्त किया है वे कठिन परिश्रम कर आगे बढे। मुख्य अतिथि आर.आई. संदीप कुमार राय ने कहा कि समूचा जीवन परीक्षा है। संयम और परिश्रम से आगे बढे।

नर्सरी में अनु शक्ति, शिवाशु जोशी प्रथम, अरमान द्वितीय, अन्वी पाण्डेय तृतीय, के.जी. में विनायक, अक्षित मौर्य प्रथम, अनाया, वीर द्वितीय, अदविका, अर्नव उज्जवल तृतीय, प्रेप में आयुष, आरूष प्रथम, ज्योति, कान्हा द्वितीय, राजश्री तिवारी, शिवाय

-छात्रों में अंक पत्र वितरितः पुरस्कृत कर बढाया हौसला
-छात्रों से नहीं लिया जायेगा प्रवेश शुल्क

गुप्ता तृतीय,

कक्षा 1 में चन्द्रपीड प्रथम, शिवांश द्वितीय, जन्मेंजय तृतीय, कक्षा 2 में यश गुप्ता प्रथम, सौम्याराय द्वितीय, श्री तृतीय, कक्षा 3 में गरिमा पाण्डेय प्रथम, जनेरा वसीम द्वितीय, तैय्बा तृतीय, कक्षा 4 में मुस्कान राजभर प्रथम, अर्श अहमद द्वितीय, अनुषी कुमारी तृतीय, कक्षा 5 में रिया यादव प्रथम, ओजस चौधरी द्वितीय, आराध्या पाण्डेय तृतीय, कक्षा 6 में अर्चित राजभर प्रथम, तन्वीपाल द्वितीय, श्रेया गुप्ता तृतीय, कक्षा 6 में ऐन्जल गुप्ता प्रथम, आशुतोष यादव द्वितीय, प्रियाशु वर्मा तृतीय, कक्षा 8 में वैष्णवी पाल प्रथम, शिप्रा स्वर्ण द्वितीय, मानसी पासवान तृतीय, कक्षा 9 में मानवी यादव, आदि श्री गुप्ता प्रथम, सर्वेश यादव द्वितीय, शिवांश राय तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर सृष्टि, मानव, आदिश्री, खुशी, नम्रा, शिप्रा, वैष्णवी, मानसी आदि ने रोचक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कक्षा में सर्वाधिक उपस्थिति के लिये कक्षा 9 में अमरनाथ और कक्षा 6 के आदित्यनाथ को पुरस्कृत किया गया। इसी क्रम में वर्ष भर में आयोजित होने वाले खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रम के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर सहायक निदेशिका श्रीमती सीमा तिवारी, सहायक निदेशक अनुज तिवारी, अनामिका मिश्रा, शैलेन्द्र चौधरी, ईशा गिरी, प्रीती अग्रहरि, आबिद अरशद के साथ ही विद्यालय परिवार के शिक्षक, शिक्षिकाओं ने योगदान दिया।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 29 मार्च 2024 शुक्रवार

सम्पादकीय

अवसरवाद की राजनीति

चुनावी चंदे के सार्वजनिक होने और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के गिरफ्तारी के बाद से ही राजनीति ने नया मोड़ ले लिया है। आम आदमी पार्टी और अरविन्द केजरीवाल न केवल मुद्दो को उठा रहे हैं बल्कि भाजपा को यह दांव उल्टा भी पड़ सकता है। जबकि दूसरी ओर चुनाव के दौरान ईडी की छापेमारी के साथ ही नेताओं का आया राम, गयाराम का सिलसिला जारी है।

लोकसभा चुनाव को लेकर सभी दलों में जोड़तोड़ और प्रत्याशी घोषित करने का दौर आखिरी चरण में है। इसी के साथ दल—बदल और अवसरकी तलाश में बैठे कद्दावरों के भी पौ बारह हैं। कद्दावर हैं तो अवसर देने वाले भी ऐसों की तलाश कर ही लेते हैं, क्योंकि उन्हें पता होता है कि किस पर दांव खेला जाए, चाहे वह अपनी पार्टी से हो या दूसरी पार्टी के असंतुष्ट या विकाऊ मोहरा। बहरहाल, एक—दो उदाहरण हरियाणा से है। कुरुक्षेत्र से कांग्रेस के पूर्व सांसद नवीन जिंदल रविवार की रात दिल्ली में एक कार्यक्रम में बीजेपी में शामिल हो गए। इसी के सात बीजेपी ने नवीन जिंदल को कुरुक्षेत्र से चुनाव मैदान में उतारा। तेजी से बदले घटनाक्रम के दौरान रणजीत सिंह चौटाला ने भी सिरसा में बीजेपी का दामन थामा। रणजीत सिंह को कुछ दिन पहले आम आदमी पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए थे।

रणजीत सिंह वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव के दौरान रानियां विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय चुनाव जीतकर आए थे। रणजीत सिंह ने हरियाणा लोकहित पार्टी के प्रत्याशी गोविंद कांडा को 19431 वोटों से हराया था। इस सीट से बीजेपी प्रत्याशी रामचंद्र कंबोज तीसरे स्थान पर रहे थे। चुनाव जीतने के बाद रणजीत सिंह ने अन्य निर्दलीय विधायकों की तरह बीजेपी को समर्थन दे दिया। बीजेपी ने उन्हें निर्दलीय कोटे से मंत्री बना दिया। रणजीत सिंह पहले मनोहर सरकार तो अब नायब सैनी सरकार में ऊर्जा और जेल मंत्री हैं। अब तक बीजेपी को बाहरी समर्थन दे रहे रणजीत सिंह इस पार्टी में शामिल हो गए। इसके बाद यह साफ हो गया है कि पहले से चल रही अटकलों के अनुरूप बीजेपी उन्हें हिसार लोकसभा सीट से प्रत्याशी घोषित किया।

इसी दौरान कुरूक्षेत्र से पूर्व कांग्रेस सांसद नवीन जिंदल भी रविवार को कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हो गए। जिंदल को दिल्ली में पार्टी के महासचिव और पूर्व हरियाणा प्रभारी विनोद तावड़े ने बीजेपी की सदस्यता दिलाई। नवीन जिंदल दो बार कुरुक्षेत्र से लोकसभा सांसद रह चुके हैं। वर्ष 2004 में उन्होंने आईएनएलडी के अभय चौटाला को एक लाख 60 हजार 190 वोट से हराया था। 2009 में जिंदल ने कुरूक्षेत्र लोकसभा सीट से आईएनएलडी के अशोक अरोड़ा को एक लाख 18 हजार 729 वोटों से पराजित किया था। वर्ष 2014 में बीजेपी प्रत्याशी राजकुमार सैनी ने नवीन जिंदल को एक लाख 30 हजार 390 वोटों से पराजित कर दिया। इसके बाद जिंदल सक्रिय राजनीति से बाहर हो गए और अपने कारोबार पर ध्यान केंद्रित कर दिया। रविवार की रात कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए नवीन जिंदल को पार्टी ने कुरुक्षेत्र से प्रत्याशी बनाया।

यह तो बीजेपी की कहानी थी। हो भी क्यों नहीं, मोदी का लहर अब भी कायम है। हालांकि, हमाम में सभी नंगे हैं। सभी अवसरवादी हैं। हर पार्टी का यही हाल है। लेकिन, सवाल यह है कि क्या जो कार्यकर्ता वर्षों से पार्टी से जुड़े हैं, उस पर दांव नहीं खेला जा सकता है? क्या राजनीति का स्तर यह हो गया है कि अपना मोहरा तैयार न कर, पके—पकाए के भरोसे ही लड़ाई लड़ी जाए? सवाल और भी हैं, पर यह राजनीति है, ऐसे उदाहरण आते रहेंगे। एक बात और, जिन्होंने अपनी पुरानी पार्टी छोड़कर नई पार्टी जॉइन की, या जिन्होंने अपने कार्यकर्ता या नेता को टिकट न देकर दूसरे दलों के असंतुष्टों पर भरोसा किया, वे किस तरह की राजनीति कर रहे हैं, किस तरह के अवसरवादी कहे जाएंगे? यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि मतदाता इस उठा पटक को किस रूप में देखते हैं।

केजरीवाल की गिरफ्तारी और जनतंत्र

—विश्वनाथ सचदेव—

दिल्ली के मुख्यमंत्री और 'आप' पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल गिरफ्तार होंगे, यह सब जानते थे। सवाल सिर्फ कब गिरफ्तार होंगे का था। अब उन्हें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार कर लिया है। यह शब्द लिखे जाने तक उन्हें जमानत नहीं मिली है, और इसी तरह की पहली गिरफ्तारियों को देखते हुए यही लग रहा है कि जमानत आसान नहीं है। ईडी सरकार के इशारों पर काम करती है, इस आशय के आरोप लगाने वाले यह भी कह रहे हैं कि आम—चुनाव से ठीक पहले केजरीवाल को गिरफ्तार करके केंद्र में सत्तारूढ़ दल ने विपक्ष के एक कद्दावर नेता को चुप करने का काम किया है। पिछले एक अर्से से जिस तरह विपक्ष के नेताओं को कमजोर बनाने की कोशिश हो रही है, उसे देखते हुए केजरीवाल की गिरफ्तारी पर न तो आश्चर्य व्यक्त किया जा सकता है, और न ही यह कहा जा सकता है कि यह गिरफ्तारी अप्रत्याशित थी। यह अनुमान लगाना भी मुश्किल नहीं है कि इस समय ही यह गिरफ्तारी क्यों हुई, चुनाव से ठीक पहले हुई इस गिरफ्तारी से मतदाता को एक संदेश तो मिलता ही है कि गिरफ्तार होने वाले ने कुछ तो गलत किया ही है। वहीं शायद केजरीवाल भी गिरफ्तारी का राजनीतिक लाभ उठाने की उम्मीद में बैठे थे वह स्वयं को पीड़ित दिखाकर मतदाता की सहानुभूति की उम्मीद कर ही सकते हैं।

मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए किसी को इस तरह गिरफ्तार किए जाने की भले ही यह पहली घटना हो, पर झारखंड के मुख्यमंत्री को भी लगभग इसी तरह कमजोर बनाया गया था। यह सही है कि गिरफ्तारी से ठीक पहले उन्होंने पद से त्यागपत्र देकर अपने उत्तराधिकारी की राह आसान बना दी थी, पर मामला यहीं तक सीमित नहीं था। सवाल मुख्यमंत्री की इस तरह की गई गिरफ्तारी के राजनीतिक संकेतों का है। किसी केजरीवाल अथवा किसी सोरेन ने कोई अपराध किया है तो उसे सजा मिलनी ही चाहिए। लेकिन ऐसी किसी कार्रवाई के मंतव्य को समझने की भी आवश्यकता होती है। जिन स्थितियों में और जिस तरीके से ऐसी कार्रवाई हुई है, या हो रही है, उसे देखते हुए यह अनुमान लगाना स्वाभाविक है कि इस सबके पीछे विपक्ष को कमजोर बनाने और राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश हो रही है। सरकार यह कह कर पल्ला नहीं झाड़ सकती कि ईडी, सीबीआई , इनकमटैक्स जैसी संस्थाओं को सांविधानिक संरक्षण प्राप्त है और उनके कामकाज में सरकार दखलंदाजी नहीं करती। यह नहीं भुलाया जाना चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय के ही एक माननीय न्यायाधीश ने कभी सीबीआई को 'पिंजरे में बंद तोता' कहा था! सत्ता की राजनीति में तब और आज कोई बड़ा परिवर्तन नहीं दिखाई देता। देखा यह जा रहा है कि जन—समर्थन राजनीतिक नेतृत्व को एकाधिकारवादी बना देता है, बना रहा है!

जनतांत्रिक व्यवस्था में चुनाव का होना या चुनाव में जीतना ही पर्याप्त नहीं होता। चुनावों का सही तरीके से होना, चुनाव में भाग लेने के लिए सबको समान और उचित अवसर मिलना जनतंत्र के औचित्य की एक महत्वपूर्ण शर्त है। आज जो स्थितियां देश में बनती जा रही हैं, वे, दुर्भाग्य से, इस आशय का कोई आश्वासन नहीं दे रही हैं। किसी निर्वाचित मुख्यमंत्री का गिरफ्तार होना एक कथित आरोपी मात्र का गिरफ्तार होना नहीं होता। यदि किसी ने कोई अपराध किया है तो उसे अपने किए की सजा मिलनी ही चाहिए। लेकिन यदि सजा देने के नाम पर किसी प्रकार का राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की जाती है तो उसे उचित नहीं माना जा सकता। इसीलिए यह सवाल उठता है कि किसी केजरीवाल या किसी सोरेन को चुनाव से ठीक पहले ही गिरफ्तार करना क्यों जरूरी समझा गया?

यहां सवाल जनतांत्रिक मूल्यों और आदर्शों का भी है। यह कहना तो गलत होगा कि देश में जनतांत्रिक मूल्यों का पराभाव हो चुका है, लेकिन जनतंत्र को नये अर्थ देने की कोशिशों को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। समय पर चुनाव होने अथवा किसी नेता की लोकप्रियता के आधार पर जनतंत्र की सफलता अथवा औचित्य को नहीं नापा—परखा जा सकता। जनतंत्र का अर्थ होता है नागरिक के अधिकारों, और कर्तव्यों का भी, संरक्षण।

इसके साथ ही मजबूत विपक्ष की महत्ता को समझा जाना भी जरूरी है। जनतंत्र में विपक्ष का काम मात्र आलोचना करना नहीं होता, विपक्ष को ईमानदार, सजग चौकीदार की भूमिका भी निभानी होती है। विपक्ष की सतत जागरूकता जनतंत्र के सफल और सार्थक होने की पहली और जरूरी कसौटी है। लेकिन, दुर्भाग्य से हम अपने देश में विपक्ष को लगातार कमजोर किए जाने की कोशिशों को होता देख रहे हैं। संदेह होता है कि सत्तारूढ़ पक्ष विपक्षहीन जनतंत्र की कोशिश में ही तो नहीं लगा?

विपक्ष के मुख्यमंत्रियों की गिरफ्तारी अथवा उन पर कार्रवाई किए जाने की लटकती तलवार से यह संशय होना स्वाभाविक है कि हमारा ताकतवर सत्तारूढ़ पक्ष कहीं विपक्षहीनता की स्थिति लाने की जुगाड़ में तो नहीं है? जिस तरह विपक्ष की सरकारों को कमजोर करने या काम न करने देने की स्थिति में लाने की कोशिशें होती दिख रही हैं, वह अच्छा संकेत तो नहीं ही है। जिस तरह दल—बदल को बढ़ावा दिया जा रहा है और जिस तरह से सरकारों को तोड़ा गया या उन्हें तोड़े जाने की कोशिशें हो रही हैं, वह जनतंत्र की दृष्टि से अच्छा संकेत नहीं है। किसी लोकप्रिय नेता का अहंकार भी जनतंत्र की मूल भावना के विपरीत ही होता है।

दस साल पहले जब भाजपा सत्ता में आयी थी तो उसने कांग्रेस—मुक्त भारत का नारा दिया था। इस नारे में कहीं कुछ गलत नहीं था। लेकिन जब किसी एक राजनीतिक दल से मुक्ति के बजाय समूचे विपक्ष से मुक्त जनतंत्र की बात कही जाती है, अथवा इसके प्रयास होते दिखते हैं तो सत्तारूढ़ पक्ष की मंशा पर शक होना स्वाभाविक है। मुख्यमंत्रियों की गिरफ्तारी, राज्यपालों द्वारा विपक्षी सरकारों के काम में अड़ंगा डालना, दल— बदल के लिए लालच देना, विपक्ष को काम न करने देना जैसे उदाहरण यह बताने के लिए पर्याप्त हैं कि जनतंत्र की मूल भावना पर आघात हो रहे हैं। यह आने वाले खतरों का संकेत है। जनतंत्र चुनाव से चुनाव तक की प्रक्रिया का नाम नहीं है। चुनाव समय पर हों, यह एक शर्त है स्वस्थ जनतंत्र की, लेकिन एकमात्र शर्त नहीं। स्वस्थ और समर्थ जनतंत्र का तकाजा है कि जनतांत्रिक मूल्यों की रक्षा हो। जैसे न्याय होना ही नहीं, होते हुए दिखना भी चाहिए, वैसे ही जनतांत्रिक मूल्यों के प्रति सम्मान का भाव भी सम्मान किये जाने की प्रक्रिया के होते हुए दिखने की भी अपेक्षा करता है। आज जो कुछ हो रहा है उसे देखते हुए इस खतरे की आशंका स्वाभाविक है कि कहीं हम चुनावी एकाधिकारवाद की तरफ तो नहीं बढ़ रहे?

—लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

चुनाव में टूटता भाषा का संयम और मर्यादा

—ललित गर्ग—

लोकसभा चुनावों जैसे—जैसे नजदीक आते जा रहे हैं, कई नेताओं की जुबान फिसलती जा रही है, वे राजनीति से इतर नेताओं की निजी जिंदगियों में तांक—झांक वाले, धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाले ऐसे बोल बोल रहे हैं, जो न सिर्फ आपत्तिजनक हैं, बल्कि राष्ट्र—तोड़क है। चुनावी रैलियों में जनता के सामने अपने प्रतिद्वंद्वी को नीचा दिखाने के मकसद से ये नेता मर्यादा, शालीनता और नैतिकता की रेखाएं पार करते नजर आए हैं। गलत का विरोध खुलकर हो, राष्ट्र—निर्माण के लिये अपनी बात कही जाये, अपने चुनावी मुद्दों को भी प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जाये, लेकिन गलत, उच्छृंखल एवं अनुशासनहीन बयानों की राजनीति से बचना चाहिए। बड़ा सवाल है कि एक ऊर्जावान एवं दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में क्या वाकई अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल औचित्यपूर्ण है? चुनाव की तारीख तय होने एवं चुनावी पारा बढ़ने के बाद नेताओं के बयानों में तीखापन एवं हल्कापन आ गया है। एक तरफ गर्मी चुभन का अहसास करा रही है, तो दूसरी तरफ राजनीतिक हलकों में भाषायी अभद्रता एवं उच्छृंखलता घाव पर नमक छिड़क रही है। नेताओं को यह बात समझनी चाहिए कि सही तरीके से बोले गए शब्दों में लोगों को जोड़ने की ताकत होती है, जबकि गलत भाषा एवं बोल का इस्तेमाल राजनीतिक धरातल को कमजोर करता है।

नेताओं के बयान शालीनता एवं मर्यादा की सारी सीमाएं लांघ रही है। राहुल गांधी की 'शक्ति के खिलाफ लड़ाई' संबंधी टिप्पणी 'शक्ति से जुड़े धार्मिक मूल्यों का अपमान करने और कुछ धार्मिक समुदाय' के तुष्टीकरण के लिए धर्मों के बीच शत्रुता पैदा करने के 'दुर्भावनापूर्ण इरादे' को दर्शाती है। प्रारंभ में लालूप्रसाद यादव का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर परिवार विषयक आरोप भाजपा के लिये रामबाण औषधि बना है। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कंगना रनौत को लेकर किए पोस्ट में एक्ट्रेस की फोटो के साथ भद्दा कमेंट महिला—शक्ति का अपमान बना है। ईवीएम के बारे में राहुल गांधी की टिप्पणी के लिए निर्वाचन आयोग से उनके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की जा रही है और कहा जा रहा है कि तथ्यों के सत्यापन के बिना इस तरह का 'दुष्प्रचार और गलत सूचना' राष्ट्रीय अखंडता एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए नुकसानदायक है। ईवीएम और निर्वाचन आयोग के बारे में भ्रामक टिप्पणी 'लोक अव्यवस्था पैदा करने के इरादे' से की गई हैं। जैसे—जैसे लोकसभा चुनाव के चरण आगे बढ़ रहे हैं, विवादास्पद बयानों की झड़ी भी लगने लगी।

हमारे देश की राजनीति में संयमित भाषा एवं अनुशासित बोल—बयान एक महत्वपूर्ण अंग होती है। लोकतंत्र में उसी नेता का बोल—बाला होता है, जिसकी भाषा एवं वचनों पर पकड़ मजबूत होती है। आजादी के बाद देश में जिस प्रकार राजनीति में बदलाव आता गया, उसी प्रकार राजनेताओं की भाषा और आरोप—प्रत्यारोप की शैली भी बदलती गई। आज कुछ राजनीतिक दलों के नेता अपने विपक्षी राजनेता को 'पप्पू' जैसे शब्दों से ताना मारते हैं, तो कोई विपक्षी नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिये चौकीदार चोर है या चायवाला जैसे शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं। क्या हमारे देश की राजनीति में मर्यादा नाम का कोई शब्द बचा है? ऐसी अभद्र भाषा का उपयोग करने से पहले हमारे ये राजनेता जरा भी नहीं सोचते कि उसका उनकी पार्टी पर क्या प्रभाव पड़ सकता है।

भारतीय राजनीति में स्तरहीन, हल्की और सस्ती बातें कहने का चलन काफी समय से है। लेकिन पिछले दो दशकों में यह वीभत्स रूप धारण कर चुका है। उस समय जब राम मनोहर लोहिया ने इंदिरा गांधी को गूंगी गुड़िया कहा था तो काफी विवाद हुआ और बड़ी तादाद में लोगों ने लोहिया का विरोध किया। कांग्रेस के अध्यक्ष खड़गे भी काफी कुछ बोल चुके हैं और उनका पीएम मोदी के लिए रावण वाला बयान काफी चर्चा में रहा है। लेकिन सबसे ज्यादा हल्की बात कहते हैं मणिशंकर अय्यर। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के लिए बहुत ही सस्ते शब्दों का इस्तेमाल किया। उन्होंने तो नीच, कातिल जैसे शब्दों का खुलेआम इस्तेमाल किया था जिसमें उनकी हताशा साफ झलकती है। कड़वे एवं गलत बयानी के मामले में कांग्रेसियों की तो सूची काफी लंबी है। चाहे वह अधीर रंजन हों या दिग्विजय सिंह या फिर संजय निरुपम और प्रियंका गांधी। आम आदमी पार्टी के नेता एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने तो सारी हदें पार कर दी। जम्मू—कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने ईवीएम की निंदा 'चोर' के रूप में की थी। सभी ने मौका देखकर बेहद हल्के शब्दों का इस्तेमाल किया, जिससे उनकी खीझ एवं बौखलाहट का पता चलता है। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि मोदी और उनकी पार्टी ने ऐसे अमर्यादित शब्दों और टिप्पणियों को अपने लाभ के लिए इस्तेमाल किया। उन्होंने अपने करोड़ों समर्थकों के सामने इन शब्दों और उन्हें बोलने वालों के खिलाफ माहौल बना दिया। नरेन्द्र मोदी को चाय वाला कहकर उनका उपहास उड़ाने वाले विपक्षियों को तो उन्होंने अपने कार्यों और उपलब्धियों से आईना दिखा दिया। आज चाय वाला शब्द मेहनतकश लोगों के सम्मान का प्रतीक बन गया है।

मतदाताओं को आकर्षित एवं अपने पक्ष में करने के फेर में राजनीति को रसातल में धकेलने की मानो होड़ मची हुई है। क्षणिक रोमांच एवं तत्काल चुनावी लाभ के लिए मर्यादा को तार—तार करने वाले इन नेताओं को आत्म—चिंतन की सख्त जरूरत है। मर्यादित भाषा में विभिन्न दलों और नेताओं की आलोचना इस देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की खूबसूरती है। भाषा की मर्यादा और वाणी में संयम भारत के लोकतंत्र का आधार है। बेलगाम भाषा से क्षणिक प्रचार और सुर्खियां बटोरना सम्भव है लेकिन अतीत में ऐसे कई उदाहरण मौजूद हैं जो ये दर्शाते हैं कि ऐसे नेताओं को जनता भी कुछ समय बाद ही भूल जाती है। नेताओं को हर हालत में भाषा की मर्यादा एवं शालीनता को बनाए रखना चाहिए। भले ही चुनाव का वक्त आसमान से तारे तोड़ लाने के वायदे करने का वक्त है और खामियों को दबाने और उपलब्धियों के बखान का वक्त है। लेकिन यह सब करते हुए भाषा की शालीनता एवं कड़वे बोल से बचने की जरूरत है।

यह वक्त मतदाता के जागने एवं विवेक से मतदान करने का भी है। वह अच्छे—बुरे का फर्क करके तार्किक आधार पर अपने बेशकीमती मत का उपयोग करे। विडंबना ही है कि अमृतकाल से गुजरते देश में मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग विष और अमृत के भेद को पूरी तरह महसूस नहीं कर पाया है। नेताओं के गलत, बेबुनियाद एवं तथ्यहीन बयानों कर सत्यता को जाने बिना उन पर विश्वास कर मतदाता लोकतंत्र को कमजोर करता है। भारतीय राजनीति में दागियों का दखल और धनबल का बढ़ता वर्चस्व यही बताता है कि हमारा मतदाता इन संवेदनशील मुद्दों के प्रति जागरूक नहीं हो पाया है। निश्चित रूप से मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग ऐसा भी है जो वोट डालने घर से नहीं निकलता। जो बड़ा तबका निकलता भी है वह भी धर्म, जाति, क्षेत्र और धनबल से रचे सम्मोहन से मुक्त नहीं हो पाता।

विशेषतः दक्षिण भारत की राजनीति में भाषा को राजनीतिक औजार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। तमिलनाडु के नेता इसी भाषाई आग्रह के साथ कब और क्या बोल दें, यह कोई नहीं जानता। इससे समस्याएं पैदा हो जाती हैं। ऐसे ही कुछ मामलों की चर्चा आज भी होती है। इसी कड़ी में चुनाव प्रचार के दौरान एक नेता की टिप्पणी चर्चा का विषय बनी हुई है। इस तरह के बयानों से बना बनाया खेल बिगड़ जाता है और निजी छवि भी धूमिल हो जाती है। फिर अगर आप बड़े पद पर हैं और आपको हजारों लोग फॉलो करते हैं तो भाषा संयम और मर्यादा अत्यंत जरूरी हो जाती है। द्रविड़ राजनीति में गाहे—बगाहे ऐसे अवसर आते रहते हैं जब मंच से नेता वाहवाही बटोरने के लिए ऐसा कुछ कह जाते हैं, जिससे न केवल उनकी बल्कि पार्टी की भी फजीहत होती है। एक वर्ग को खुश करने की चाह में और अपने आला नेता की चाटुकारिता में बिना सोचे समझे बोलने के गंभीर परिणाम होते हैं। हकीकत यह है कि यह प्रवृत्ति पूरे देश में बढ़ रही है। कौन सा नेता कब वाणी का संयम खो दे, कहा नहीं जा सकता।

राजस्थान में वसुंधरा

—रमेश सर्राफ धमोरा—

राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी ने वरिष्ठ नेता व पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया के सभी समर्थक सांसदों के टिकट काट दिए हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में वसुंधरा राजे समर्थक विधायकों के बड़ी संख्या में टिकट काटे गए थे। अब लोकसभा चुनाव में भी उनके समर्थकों का सफाया हो गया है। सिर्फ वसुंधरा राजे के पुत्र दुष्यंत सिंह को झालावाड़ से पांचवीं बार सांसद का टिकट मिला है। श्रीगंगानगर सीट पर पांच बार के मौजूदा सांसद निहालचंद मेघवाल का टिकट काटकर अनूपगढ़ नगर परिषद की अध्यक्ष प्रियंका बैलान को प्रत्याशी बनाया गया है। प्रियंका बैलान प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष सीपी जोशी के साथ युवा मोर्चा में प्रदेश सचिव रह चुकी है। निहालचंद मेघवाल 1996, 1999, 2004, 2014 व 2019 में सांसद व 1998 में रायसिंह नगर से विधायक रह चुके हैं। उनके पिता बेगाराम चौहान 1977 में जनता पार्टी से व 1989 में जनता दल से सांसद व 1972 में रायसिंह नगर से स्वतंत्र पार्टी की टिकट पर विधायक रह चुके हैं। निहालचंद के भाई लालचंद चौहान भी 2003 में रायसिंह नगर से भाजपा के विधायक रह चुके हैं। ऐसे में निहालचंद मेघवाल का टिकट काटने का सिर्फ एक ही कारण रहा है। उनका वसुंधरा राजे गुट में होना। कांग्रेस ने वहां से कुलदीप इंदौरा को प्रत्याशी बनाया है।

चूरू से भाजपा के दो बार सांसद रहे राहुल कस्वां का टिकट काटने का भी मुख्य कारण वसुंधरा राजे के नजदीकी होना था। राहुल कस्वां चूरू में मजबूत जनाधार वाले नेता माने जाते हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में नेता प्रतिपक्ष रहे राजेंद्र राठौड़ के तारानगर से चुनाव हारने के चलते राहुल कस्वां का टिकट काटा गया है। राहुल कस्वां स्वयं 2014 व 2019 में चूरू से भाजपा टिकट पर चुनाव जीत चुके हैं। उनके पिता रामसिंह कस्वां चूरू से चार बार सांसद व सादुलपुर से विधायक रह चुके हैं। राहुल कस्वां के दादा दीपचंद कस्वां 1980 में सादुलपूर सीट से निर्दलिय व राहुल कस्वां की माता कमला कस्वां 2008 में सादुलपुर से भाजपा की विधायक रह चुकी है। उनकी माता कमला कस्वां चूरू की जिला प्रमुख व पंचायत समिति प्रधान भी रही हैं। राहुल कस्वां उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के छोटे भाई कुलदीप धनकड़ के दामाद है। फिर भी उनका टिकट महज राजेंद्र राठौड़ के विरोध के चलते काटा गया है। अब राहुल कस्वां कांग्रेस टिकट पर चूरू लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ रहे हैं। झुंझुनू से नरेंद्र कुमार खीचड़ का टिकट काटकर उदयपुरवाटी से पूर्व में विधायक रहे शुभकरण चौधरी को प्रत्याशी बनाया गया है। नरेंद्र खीचड़ भी वसुंधरा राजे के नजदीकी माने जाते रहे हैं। 2018 के विधानसभा चुनाव से पहले स्वयं वसुंधरा राजे ने उनको भाजपा में शामिल करवा कर 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा टिकट पर प्रत्याशी बनवाया था। 2019 में उन्हें वसुंधरा राजे की सिफारिश पर ही लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी बनाया गया था। झुंझुनू में कांग्रेस ने पूर्व केंद्रीय मंत्री शीशराम ओला के सुपुत्र विजेंद्र ओला को प्रत्याशी बनाया है।

जयपुर शहर लोकसभा सीट से भाजपा से दो बार लगातार सांसद व पूर्व जिला प्रमुख रहे रामचरण बोहरा का टिकट काटकर मंजू शर्मा को प्रत्याशी बनाया गया हैं। रामचरण बोहरा वसुंधरा राजे के नजदीकी लोगों में शुमार होते थे तथा उनके हर कार्यक्रम में पूरी सक्रियता से भाग लेते थे। इसी के चलते उनका टिकट काटा गया है।

हालांकि मंजू शर्मा भी भाजपा के तीन बार प्रदेश अध्यक्ष व भाजपा की सभी सरकारों में मंत्री रहे दिग्गज नेता भंवरलाल शर्मा की पुत्री है तथा 2008 में हवामहल सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी बृजकिशोर शर्मा से मात्र 580 वोटो से चुनाव हार गई थी। चर्चा है कि मंजू शर्मा को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सिफारिश पर भाजपा का प्रत्याशी बनाया गया है। दौसा से भाजपा सांसद जसकौर मीणा का टिकट काट दी गयी है। जसकौर मीणा पूर्व में सवाई माधोपुर से सांसद व बाजपेयी सरकार में राज्य मंत्री रह चुकी है। वह वसुंधरा राजे के नजदीकी मानी जाती है। दौसा सीट पर वर्तमान सांसद जसकोर मीणा अपनी पुत्री अर्चना मीणा को टिकट दिलवाना चाहती थी। वहीं राजस्थान सरकार में मंत्री किरोड़ीलाल मीणा अपने भाई जगमोहन मीणा को टिकट दिलवाना चाहते थे।

भारत– नेपाल सीमा पर 2 करोड़ की चरस के साथ नेपाली महिला तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता–बहराइच। नेपाल से मादक पदार्थों की तस्करी रुकने का नाम नहीं ले रही। भारत नेपाल सीमा पर गुरुवार को पुलिस और एसएसबी के संयुक्त चेकिंग अभियान में एक नेपाली महिला तस्कर को गिरफ्तार किया है। जवानों ने तलाशी के दौरान उसके पास से 7.4 किलोग्राम चरस बरामद किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत दो करोड रुपये बताई जा रही है।

बहराइच जिले के भारत नेपाल सीमा रुपईडीहा चेक पोस्ट पर चलाए गए चेकिंग अभियान में पुलिस और एसएसबी के जवानों को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने एक नेपाली महिला तस्कर को पकड़ा है। तलाशी के दौरान उसके पास से 7.4 किलो चरस बरामद हुआ है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 2 करोड रुपये बताई जा रही है। गुरुवार को पुलिस और एसएसबी के जवान आने जाने वाले लोगों को चेक कर रहे थे। इस दौरान उन्हें नेपाल की तरफ से एक महिला आती हुई दिखाई पड़ी। जवानों ने महिला को रोककर तलाशी लिया। तो पुलिस भी दंग रह गई। महिला के पास से एक थैला में 7.4 किलो ग्राम चरस बरामद हुआ। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसका मूल्य 2 करोड रुपए है। पकड़ी गई महिला तस्कर सयपुरा बुधा पुत्री मन बहादुर बुधा नेपाल राष्ट्र के रुकुम जिला की रहने वाली है। पुलिस ने महिला के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया है।

बहराइच जिले के रुपईडीहा थाना के प्रभारी निरीक्षक शमशेर बहादुर सिंह ने बताया कि चेक पोस्ट पर पुलिस और एसएसबी के जवान आने जाने वाले लोगों को चेक कर रहे थे। इस दौरान एक संदिग्ध महिला दिखाई पड़ी। उसे रोककर पूछताछ और तलाशी के दौरान उसके पास से 7.4 किलोग्राम चरस बरामद हुआ। उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

कार की टक्कर से साइकिल सवार अधेड़ की मौत

संवाददाता–गोण्डा। जिले में गुरुवार को हुए अलग–अलग हादसों में अधेड़ की मौत हो गई और एक बैंक कर्मी घायल हो गया। उसे गंभीर हालत में जिला मुख्यालय के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गोंडा–उतरौला रोड पर स्कार्पियो ने साइकिल सवार को पीछे से टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची सोनी गुमटी चौकी पुलिस ने उसे एंबुलेंस से से जिला चिकित्सालय पहुंचाया । जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। नगर कोतवाली पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। नगर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक राजेश सिंह ने बताया कि देहात कोतवाली के महादेवा ग्राम पंचायत के अकेलवा गांव निवासी जमुना प्रसाद (55) पुत्र स्वयंवर गुरुवार को दोपहर बाद 2रू00 बजे साइकिल से गोंडा की ओर जा रहे थे । गोंडा–उतरौला मार्ग पर धनौली गांव के पास धानेपुर की ओर से आ रही स्कार्पियो ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में जमुना प्रसाद गम्भीर रूप से घायल हो गया और उसकी साइकिल भी क्षतिग्रस्त हो गई। जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचे सोनी गुमटी चौकी प्रभारी दिवाकर मिश्र ने घायल को तुरन्त एम्बुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद चालक स्कार्पियो छोड़कर फरार हो गया, पुलिस ने उसे कब्जे लिया है। कोतवाल ने बताया कि मृतक की पत्नी मालती गुप्ता की तहरीर पर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

भाईचारे के साथ मिल-जुलकर रहने का आह्वान

संवाददाता–गोण्डा। मुजेहना ब्लॉक के ग्राम पेड़ारन में गुरुवार को आयोजित होली मिलन समारोह में लोगों ने एक दूसरे के गले–मिलकर बधाई दी। साथ ही भाईचारे के साथ मिलजुल कर रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम में व्यास नारायण पांडे, संजय सिंह , राम अछैबर शुक्ल, यशवंत सोनी, रामचरन वर्मा , मेलाराम आदि उपस्थित रहे।

पिंजरे में कैद हुई आतंक का पर्याय बनी मादा भेड़िया दो मासूमों की जान ली और कई को किया घायल

संवाददाता–बहराइच। हरदी थाना क्षेत्र के दर्जनों गांवों में बीते कुछ महीनों से आतंक का पर्याय बनी मादा भेड़िया बुधवार की रात पिंजरे में कैद हो गई। उसके साथ उसका तीन माह का नर बच्चा भी पिंजरे में कैद हुआ। सुबह भेड़िए के पकड़े जाने की सूचना पर भारी मात्रा में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। स्वास्थ्य परीक्षण में दोनो भेड़िए एक दम स्वस्थ्य मिले हैं। बहराइच वन प्रभाग के हरदी थाना क्षेत्र में बीते कई दिनों से लगातार भेड़िए के हमले की घटनाएं हो रही थी जिससे थाना क्षेत्र के दर्जनों गांवों में दहशत की स्थिति बन गई थी और लोग घरों से निकलने से भी कतरा रहे थे। वन विभाग की टीमें पांच स्थानों पर पिंजरा के साथ–साथ ट्रैपिंग कैमरे लगाकर भेड़िए को पकड़ने के लिए कांबिंग कर रही थी। बुधवार की रात सिसैया चूड़ामड़ी में लगे पिंजरे में आतंक का पर्याय बनी मादा भेड़िया अपने बच्चे के साथ कैद हो गई जिसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

बताते चलें कि भेड़िया बीते शनिवार को ग्राम पंचायत महसी के मजरा नयापुरवा निवासी छोटू (1.5 वर्ष) को मां आशिया बेगम के पास से दबोच ले गया था जिसका क्षत विक्षत शव रविवार की सुबह गांव से दो किमी दूर खेतों में पड़ा मिला था। वहीं मंगलवार की रात बंभौरी निवासी हफीजा (70) को भी घायल कर दिया था। इससे पूर्व ग्राम पंचायत बंभौरी पांडेपुरवा के मिश्रनपुरवा निवासी तीन वर्षीय सायरा को उठा ले गया था। जिसका आज तक कोई अता पता नहीं लगा। भेड़िए ने औराही निवासी राहुल (6), वरमापुरवा निवासी ननकई (14), काजल (12) व जागीर निवासी तबस्सुम (35) समेत दर्जनों लोगों को घायल किया था।

डिप्टी रेंजर अमित वर्मा ने बताया कि पकड़े गए भेड़ियों का स्वास्थ्य परीक्षण कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग में तैनात पशु चिकित्सक डॉ. दीपक वर्मा ने किया है। रिपोर्ट में मादा भेड़िया की उम्र लगभग पांच से छह वर्ष व नर बच्चे की उम्र लगभग दो से तीन माह है। दोनो पूरी तरह स्वस्थ मिले हैं। बहराइच वन प्रभाग के डीएफओ संजीव कुमार ने कहा कि स्वास्थ्य परीक्षण में दोनो स्वस्थ मिले हैं। उन्हें छोड़ने को लेकर उच्चाधिकारियों से पत्राचार किया गया है। उनके निर्देशानुसार पकड़े गए भेड़ियों को चिड़ियाघर या जंगल में छोड़ा जाएगा।

एल्गिन–चरसड़ी बांध का मुख्य अभियंता ने लिया जायजा

संवाददाता–गोंडा। एल्गिन चरसड़ी बांध का मुख्य अभियंता संजय त्रिपाठी ने गुरुवार को औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कमियों मिलने पर उन्होंने अधीनस्थों को सुधार के निर्देश दिए। कहा कि बन्धे की मजबूती में कोई कमी नहीं होनी चाहिए जो बाढ़ के दौरान मुसीबत बन जाए। यदि इसके बाद दोबारा निरीक्षण में कोई कमी मिली। तो संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान बाढ़ खंड के अभियंता जय सिंह और अमरेश सिंह भी उपस्थित रहे।

मुख्य अभियंता संजय त्रिपाठी अचानक सीधे एल्गिन चरसड़ी पहुंचकर बाढ़ खंड के अभियंताओं को एकाएक चौंका दिया उन्होंने वहां की स्थिति को बारीकी से देखा। इसके बाद में जरूरी दिशा निर्देश भी जारी किए। इसके बाद वह सकरौर–भिखारीपुर के लिए निकल गए । वहां पर भी उन्होंने बिन्दु वार निरीक्षण करके उचित दिशा निर्देश किए। निर्माण कार्य में जहां कहीं कमियां नजर आई, उनमे तत्काल सुधार का निर्देश जारी किया इसके साथ ही जो कार्य हो रहे थे उसकी स्थिति भी परखी। उन्होंने कार्य की गुणवत्ता को बरकरार रखने का निर्देश जारी किया। मुख्य अभियंता ने निर्देश दिया कि समय रहते ही जहां–जहां दिक्कतें हैं उनमें सुधार कर लिया जाए। जिससे बाढ़ के दौरान किसी प्रकार की क्षेत्र वासियों को दिक्कत न होने पाए। उन्होंने काम में किसी भी प्रकार की लापरवाही न करने की चेतावनी अभियंताओं को दी।

सभी विभाग अपना माइक्रो प्लान उपलब्ध कराएं –एसडीएम

संवाददाता–बहराइच। संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान,नियमित टीकाकरण व राष्ट्रीय बाल स्वास्थ कार्यक्रम संचालन को गुरुवार को तहसील स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक तहसील सभागार में हुई। एसडीएम दिनेश कुमार ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि अपना माइक्रो प्लान उपलब्ध करा दें। ग्राम स्तर तक विशेष जागरूकता अभियान चलाएं। आशा और आगनबाड़ी घर–घर जाकर के लोगों को इस अभियान के बारे में जागरूक करें। साथ ही जो भी कुपोषित बच्चे पाए जाएं उनका समुचित इलाज किया जाए।

एसडीएम दिनेश कुमार ने विकास विभाग को निर्देशित किया कि सभी ग्राम प्रधान और सचिवों के साथ बैठक करके नाली और तालाबों में जो गंदगी है उसको साफ कराएं, ताकि डेंगू मलेरिया का प्रकोप कम किया जा सके। एंटी लारवा का छिड़काव कराएं। नगर पंचायत पयागपुर को निर्देशित किया गया कि बेहतर सफाई व्यवस्था नगर क्षेत्र में कराएं। एक अप्रैल से शुरू होने वाले स्वच्छता पखवाड़े का जोर–शोर से अभियान चलाएं। स्वास्थ्य विभाग ग्राम स्तर पर ग्राम प्रधान एएनएम आशा आंगनबाड़ी के सहयोग से ग्राम स्तर पर विभिन्न जागरूकता गतिविधियों व टीकाकरण कार्यक्रम संचालित करें। शिक्षा विभाग के नोडल शिक्षक प्रतिदिन प्रार्थना सभा में बच्चों को स्वच्छता संचारी रोग से बचाव बुखार होने पर क्या करें, क्या न करें इस पर चर्चा अवश्य करें।

संचालन बीपीएम सीएचसी पयागपुर अनुपम शुक्ल ने किया। अधीक्षक सीएचसी पयागपुर डॉ. थानेदार ने बताया एक से 30 अप्रैल तक दस्तक अभियान में आशा आंगनबाड़ी की ओर से गृह भ्रमण के दौरान, बुखार के रोगी, आईएलआई संक्रमण संभावित, क्षय रोग लक्षण युक्त, कुपोषित बच्चों,अधिक मच्छर प्रजनन वाले घरों की सूची आनलाइन करेंगी। उन्होंने अभिवावकों से अपील की कि बच्चों व गर्भवती को 12 गंभीर बीमारी से बचाव का टीकाकरण किया जा रहा है, सभी निर्धारित समय पर बच्चों का टीकाकरण अवश्य कराएं। सभी विभागाध्यक्ष अपने ग्राम स्तरीय टीम के कार्यों का पर्यवेक्षण अवश्य करें।

बैठक में चिकित्सा प्रभारी डॉ. धीरेंद्र तिवारी, डॉ. आभाष अंकुर श्रीवास्तव, अमरसेन एचईओ, सीडीपीओ अनिल पाण्डेय, साधना द्विवेदी, श्यामा शर्मा, बीईओ वीरेंद्र नाथ द्विवेदी, कमलेश मिश्रा व बीपीएम ममता मिश्रा, डब्ल्यूएचओ के प्रतिनिधि नीतू मिश्रा पर्यवेक्षक मनीष द्विवेदी व पवन कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

मधुमक्खियों के हमले में छह घायल, एक गंभीर

संवाददाता–महराजगंज। गांव गेड़हवा और कोठीभार क्षेत्र के गांव कारीडिहा गांव में बृहस्पतिवार को मधुमक्खियों के हमले में छह लोग घायल हो गए। घायलों को लोगों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निचलौल में भर्ती कराया गया। जहां एक महिला की हालत बिगड़ते देख डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। पांच लोगों का इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक, कोठीभार थाना क्षेत्र के कारीडिहा गांव निवासी फूला देवी (70) और अजय (26) घर से सिवान की ओर जा रहे थे। अभी वह घर से कुछ ही दूरी पर पहुंचे थे कि मधुमक्खियों के झुंड ने उनपर हमला कर दिया। इससे फूला देवी और अजय घायल हो गए। वहीं फूला देवी की हालत बिगड़ते देख डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद रेफर कर दिया है। इसी तरह निचलौल क्षेत्र के भारत–नेपाल सरहद से सटे गांव गेड़हवा में दरवाजे पर बैठी इसरावती (40) पति बिठल (42) बेटी सुनीता (18) और महतो (24) पर मधुमक्खियों के झुंड ने अचानक हमला बोल दिया। इससे चारों गंभीर रूप से घायल हो गईं।

रात में डाक्टर बनकर पूछता था मरीजों का हाल, मौका मिलते ही मोबाइल पर हाथ साफ कर देता था, पकड़ा गया

संवाददाता–गोण्डा। महाराजा देवीबख्श सिंह चिकित्सा महाविद्यालय में एक चोर डॉक्टर की वर्दी पहनकर मरीजों का हालचाल पूछता था और मौका मिलते ही तीमारदारों के मोबाइल फोन पर हाथ साफ कर लेता था। बृहस्पतिवार को डॉक्टर बने चोर के पकड़े जाने पर मामले का खुलासा हुआ। तीमारदारों व स्वास्थ्यकर्मियों ने पकड़े गए चोर की पिटाई कर कोतवाली नगर की पुलिस के हवाले कर दिया। तीमारदारों ने बताया कि पकड़ा गया चोर एप्रेन पहनकर और मुंह में मास्क लगाकर हर रोज रात में वार्ड में राउंड करता था। बुधवार रात को संदेह होने पर पुलिस को सूचना दी गई। सिविल ड्रेस में पहुंचे पुलिसकर्मियों ने चोर को धर दबोचा। पिछले दो दिनों में परसपुर निवासी रामावती, पूरेलली निवासी अरविंद पांडेय, बालपुर निवासी पिंकू दूबे, परसपुर के शिवा सिंह, बेनीपुर निवासी सम्मयदीन, उमरी बेगमगंज निवासी रंग बहादुर सिंह तथा पेडारन निवासी अर्जुन कुमार की मोबाइल चोरी हो चुकी है। आरोपी से कोतवाली नगर में पूछताछ की गई।

करंट की चपेट में आने से युवक की मौत

संवाददाता–महराजगंज। क्षेत्र के उदितपुर के टोला रहमतनगर में बृहस्पतिवार को दिन में करीब 11 बजे पंखा ठीक करते समय करंट लगने से युवक की मौत हो गई। फरेंदा थाना क्षेत्र के उदितपुर के रहमतनगर निवासी मगन यादव (30) अपने कमरे का पंखा ठीक कर रहे थे। उसी दौरान करंट की चपेट में आ गए। जब तक परिजनों की नजर पड़ती तब तक युवक की मौत हो चुकी थी। परिजनों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की मौत की सूचना मिलते ही घर में कोहराम मच गया। युवक का एक बेटा है। थानाध्यक्ष अंकित कुमार के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मौत का कारण स्पष्ट होगा।

युवाओं को जो देगा रोजगार, उसी की बनाएंगे सरकार

संवाददाता–बलरामपुर। लोकसभा चुनाव को लेकर युवाओं में काफी उत्साह दिख रहा है। युवा छात्र लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान को आतुर हैं। वे ऐसी सरकार चाहते हैं जो रोजगार परक शिक्षा का बढ़ावा दे। जिले में तकनीकी शिक्षण संस्थाओं की कमी है, जिसे दूर करने पर युवाओं का जोर है। छात्र रोजगार के लिए सरकारी नौकरी का प्राथमिकता नहीं देते हैं। उनका कहना है कि उद्योग धंधों को बढ़ावा देकर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा सकते हैं। छात्रों ने तकनीकी व रोजगार परक शिक्षा पर जोर दिया। यह भी कहा कि शिक्षित होने का मतलब नौकरी करना ही नहीं होता। शिक्षित व्यक्ति राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है। युवाओं ने शत प्रतिशत मतदान के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में सहयोग देने का दावा किया। कहा कि अधिकाधिक मतदान से सही व्यक्ति का चुनाव होता है। कम मतदान होने पर जीत हासिल करने वाले सांसद को लोकप्रिय का दर्जा नहीं दिया जा सकता। युवाओं का जोर नई शिक्षा नीति पर भी है। उनका मानना है कि समय–समय पर नीति परिवर्तन से शिक्षा के स्तर में सुधार आता है। जिस तरह मोटर व्हकिल अधिनियम व अन्य कानूनों में परिवर्तन किया गया है उसी तरह शिक्षा अधिनियम में भी बदलाव आवश्यक है। छात्रा अंकिता, रूबी, शिव मोहनी, राज कुमारी, सिरोही आदि ने महिलाओं की शिक्षा को जरूरी बताया है। कहा कि ऐसा कानून बनाया जाए जिससे बेटियों को शिक्षा के लिए आर्थिक तंगी से न जूझना पड़े। यदि बेटी अकेली है तो उसकी शिक्षा मुफ्त होनी चाहिए। छात्र रोशन, अमित, आनंद आदि बोले कि बुनियादी शिक्षा मजबूत होने पर ही भविष्य संवर सकता है। बेसिक शिक्षा के तहत संचालित परिषदीय विद्यालयों में शिक्षकों व छात्रों की उपस्थिति को शत प्रतिशत अनिवार्य किया जाए। शिक्षकों की उपस्थिति के साथ–साथ उनके दायित्व निर्वहन पर कानून बनाने की जरूरत है। छात्रों ने सामान्य मुद्दों पर भी चर्चा की। राहुल, विनोद पाण्डेय, रोशनी, आलिया आदि बोलीं कि चुनाव में ऐसे प्रत्याशी को मतदान करें, जो शिक्षित होने के साथ–साथ संस्कारिक हो। अपराधी प्रवृत्ति के प्रत्याशी को मतदान कभी न करें। बेरोजगारी का रोना रोने से अच्छा कुछ कर गुजरना होता है। जिसमें क्षमता होती है उसे आगे बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता है। हर बात में सरकार से सहयोग की अपेक्षा करना गलत है। खुद में भी क्षमता पैदा करना जरूरी है।

बीमारियों को लेकर रहें सावधान

संवाददाता–श्रावस्ती। एसएसबी की ओर से हरिहरपुर रानी ब्लाक के पटना खरगौरा गांव में निशुल्क मानव चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन गुरुवार को किया गया। शिविर में उपकमांडेन्ट डा. अजीत की ओर से लोगों को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया गया और उनको जरूरत अनुसार दवाएं दी गई। उन्होंने लोगों को सर्दी जुकाम, खांसी, मलेरिया, डेंगू, बुखार आदि बीमारियों के प्रति जागरूक किया तथा बचाव की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अच्छी सेहत के लिए खुद का ख्याल रखें और बीमारियों के प्रति सावधान रहें। इस मौके पर सहायक उपनिरीक्षक जावेद अहमद, आरक्षी दुर्गेश कुमार यादव आदि मौजूद रहे।

छत के रास्ते मकान में घुसे चोरों ने 2 लाख के जेवर व 1.15 लाख नकदी चुराया

संवाददाता–देवरिया। गौरीबाजार के रामपुर चौराहे के पुलिस पिकेट से पांच सौ मीटर की दूरी पर बुधवार रात चोर छत के रास्ते एक कारोबारी के मकान में घुस गए। मकान के कमरे में रखे आलमारी व बाक्स को तोड़ उसमें रखा सवा लाख रुपए नकदी व करीब दो लाख रुपए का सोने व चांदी के जेवर चुरा ले गए। जेवर व रुपए मकान मालिक के बेटे की सगाई के लिए रखा था। मौके पर पहुंची पुलिस ने चोरी की घटना की जानकारी ली। मकान मालिक ने अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर दी है। गौरीबाजार के रामपुर पांडेय निवासी रामाशीष गुप्ता गोरखपुर–देवरिया मार्ग पर केनयूनियन मोड़ के समीप मकान बना रखे हैं। बुधवार देर रात छत से होकर सीढ़ी के रास्ते चोर मकान में दाखिल हो गए। मकान के कमरे में रखे आलमारी व बाक्स का ताला तोड़ दिया। उसमें रखा महिलाओं के सोने के मंगलसूत्र, सोने के चेन, सोने की तीन अंगूठी, चार पायल कीमत करीब 2 लाख रुपए व 1.20 लाख नकदी चुरा ले गए। गुरुवार भोर में उठे परिवार के लोगों ने घर में सामान बिखरा देख पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने चोरी की जानकारी ली। मकान मालिक ने अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर दिया है। बताया जाता है कि मकान मालिक रामाशीष गुप्ता के बेटे पवन गुप्ता की 24 अप्रैल को सगाई होने वाली, जिसकी तैयारी चल रही थी। इसके पहले की चोरों ने घर को खंगाल दिया। पुलिस पिकेट से करीब पांच सौ मीटर की दूरी पर एक फिर चोरी को अंजाम देकर चोरों ने पुलिस को चुनौती दी है।

वैदिक मंत्रों के साथ बटुक ब्राह्मणों का उपनयन संस्कार व सामूहिक यज्ञोपवीत का कार्यक्रम संपन्न

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। अखिल भारतीय चाणक्य परिषद द्वारा बृहस्पतिवार चौत्र मास की तृतीया के शुभ मुहूर्त में सैकड़ो की संख्या में ब्राह्मण बटुकों का उपनयन संस्कार आचार्य वीरेंद्र द्विवेदी वैदिक के आचार्यत्व में स्थान श्री गोपाल मंदिर लक्ष्मण घाट अयोध्या धाम में कराया जा रहा है अखिल भारतीय चाणक्य परिषद प्रतिवर्ष सामूहिक यज्ञोपवीत कार्यक्रम का आयोजन करता आ रहा है आज के आयोजन का मुख्य उद्देश्य ब्राह्मण समाज में अपने ब्राह्मण संस्कारों को जागृत करना और यज्ञोपवीत संस्कार के प्रति ब्राह्मण बटुको में आदर और ब्राह्मणत्व को जागृत करना और ब्राह्मण समाज को अपने संस्कारों और समाज के प्रति सनातन धर्म के प्रति जागरूक करना है। सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार का आयोजन हुआ। आचार्यों के वैदिक मंत्रोच्चार व श्लोकों के बीच महिलाओं ने मंगल गीत भी गाए। इस मौके पर 16 बटुकों को दीक्षा दी गयी। प्रदेश अध्यक्ष उत्तर प्रदेश पं दिलीप राम त्रिपाठी ने कहा कि लोहे से बना चाकू केवल आकार लेता है, लेकिन संस्कार के बाद चमक संपन्न होकर चाकू का कार्य करने लायक बनता है। जिससे बटुक ब्राह्मण में संस्कार का बीजारोपण हो इस मौके पर मुख्य रूप से अखिल भारतीय चाणक्य परिषद के राष्ट्रीय संरक्षक पंडित राम अनुज तिवारी राष्ट्रीय महामंत्री आचार्य राधेश्याम मिश्रा राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष महंत क्षीरेश्वर दत्त मिश्र राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य पंडित जयप्रकाश तिवारी राष्ट्रीय सदस्य पंडित काशीनाथ तिवारी पंडित राजमनी तिवारी प्रदेश महामंत्री डॉ जय गुरुदेव शुक्ला कोषाध्यक्ष पंडित राधा रमण त्रिपाठी प्रदेश मंत्री महंत ओमप्रकाश मिश्रा मंडल उपाध्यक्ष देवनारायण तिवारी गुरौली जिला उपाध्यक्ष रुपेश तिवारी जिला महामंत्री अंबरीश चंद्र पांडेय जिला संगठन मंत्री पंडित रामनयन पाठक जी मसौधा ब्लॉक सदस्य सूर्यकांत पांडेय विवेकानंद तिवारी डॉक्टर अरविंद कुमार द्विवेदी अयोध्या पंडित हरफूल मिश्रा पंडित कृष्ण कुमार पांडेय व मुख्य यजमान पंडित संजय मिश्रा और भारी संख्या में ब्राह्मण बटुकों का परिवार और ब्राह्मण समुदाय उपस्थित रहा कार्यक्रम का आयोजन अखिल भारतीय चाणक्य परिषद निःशुल्क परिषद के खर्चे पर वर्षों से आयोजित करता चला आ रहा है। मुख्य अतिथि जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी रामानुज जी महाराज डॉ श्यामधर तिवारी आचार्य हरफूल मिश्र विशिष्ट अतिथि डॉ कृष्ण कुमार पांडेय ज्योतिषाचार्य दीपक राम त्रिपाठी मौजूद रहे।

अर्द्धसैनिक बलों ने पुलिस टीम के साथ किया पैदल गश्त

संवाददाता–देवरिया। आगामी त्यौहार व लोकसभा चुनाव में शान्ति व कानून व्यवस्था बनाये रखने को अर्द्धसैनिक बलों ने बुधवार को क्षेत्र में पैदल गस्त किया। अर्द्धसैनिक बलों ने रुद्रपुर सर्किल के थाना रुद्रपुर के संवेदनशील क्षेत्रों में सीओ अंशुमान श्रीवास्तव के नेतृत्व में थानाध्यक्ष रुद्रपुर रतन कुमार पाण्डेय मय पुलिस के साथ रूद्रपुर कस्बा, अतरंगी, बेलकुण्डा, लक्ष्मीपुर, लक्ष्मीपुर टढ़वा टोला, रामलक्षन, करिहवा, लुअठई, लुदई खोरमा, पचमा व भैंसहीं में भ्रमण किया।

जवानों ने आम जन मानस में सुरक्षा की भावना उत्पन्न करायी तथा निर्भीक होकर मतदान करने को जागरूक किया। मदनपुर में प्रभारी निरीक्षक रामाज्ञा सिंह व अर्द्धसैनिक बलों की संयुक्त टीम ने क्षेत्र के कदमही, सोनकर बस्ती, खटिका टोला, पक्कड़ चौराहा, कोटिया मोहल्ला, गोला बनकट, पूर्वा मोहल्ला हाजीनगर, शेखटोला, अम्बेडकर नगर, केवटलिया, समोगर मोहरा, बराव, बहसुआ, महेन, नेतवार, गनियारी फरीदपुर, पहाड़पुर और देवपुर जयराम में भ्रमण किया। उन्होंने लोगों में सुरक्षा की भावना उत्पन्न करायी और निर्भीक होकर मतदान करने पर जोर दिया। एकौना में प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार व अर्द्धसैनिक बलों की संयुक्त टीम ने नरायनपुर, सरांव खुर्द व पचलड़ी में पैदल गश्त किया।

संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखें समिति के सदस्य

संवाददाता–श्रावस्ती। एसएसबी सहायक कमांडेन्ट केएच नाबा चन्द्र सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को ग्राम पंचायत मधवापुर के मजरा सेमरहना में ग्राम सुरक्षा समिति की बैठक की गई। बैठक में ग्रामीणों की समस्या की जानकारी ली गई और उसका समाधान उच्चाधियों के स्तर से कराने का आश्वासन दिया गया। इसके साथ ही लोगों को भारत नेपाल सीमा की सुरक्षा को लेकर जागरूक किया गया। समिति सदस्यों को बताया गया कि अपने आस पास की गतिविधियों की निगरानी करें। संदिग्ध गतिविधि या संदिग्ध व्यक्ति की मौजूदगी हो तो एसएसबी को सूचित करें।

राजपती माता प्रसाद शिक्षण, प्रशिक्षण महिला महाविद्यालय गौरा– कलवारी जनपद–बस्ती (उ.प्र.)

आवश्यकता है

राजपती माता प्रसाद शिक्षण प्रशिक्षण महिला महाविद्यालय गौरा–कलवारी जनपद–बस्ती में बी0एड0 संकाय हेतु सहायक प्रोफेसर (शिक्षा के परिप्रेक्ष्य) 04 पद, विज्ञान, गणित, भाषा (हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत) सामाजिक विषय प्रत्येक 2 पद, स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा, ललित कला एवं निष्पादन कला प्रत्येक 1 पद, विभागाध्यक्ष 1 पद, स्नातक हिन्दी, समाजशास्त्र प्रत्येक 1 पद, स्नातकोत्तर वनस्पति विज्ञान 1 पद।

पद योग्यता – यूजीसी एवं सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु–सिद्धार्थनगर के परिनियमावली के अनुसार अभ्यर्थी विज्ञापन तिथि के 21 दिन के अन्दर अपने सभी अखिलेखों के साथ आवेदन करना सुनिश्चित करे।

प्रबन्धक
राजपती माता प्रसाद शिक्षण प्रशिक्षण महिला महाविद्यालय
गौरा– कलवारी जनपद–बस्ती पिन कोड 272301
मो.न. 7705971000

जो शाप का बदला आशीर्वाद से दे वही सन्त

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जो शाप का बदला आशीर्वाद से दे वही सन्त है। राम चरित अनन्त है। श्रीराम के विवाह की कथा जो प्रेम से सुनेगा उसका सदा मंगल होगा। परमात्मा के मंगलमय नाम का जाप करो, चाहे ज्ञान मार्गी हो या भक्ति मार्गी, ईश्वर की साधना और ध्यान किये बिना काम नहीं बनता। मनुष्य को चाहिये कि वह अपना जीवन लक्ष्य निर्धारित कर ले। मनुष्य शरीर से नहीं किन्तु आंख और मन से अधिक पाप करता है। यह सद् विचार कथा व्यास रघुबीरदास ने नारायण सेवा संस्थान ट्रस्ट द्वारा आयोजित 9 दिवसीय संगीतमयी श्रीराम कथा दुबौलिया बाजार के राम विवाह मैदान में सातवें दिन व्यक्त किया।

श्रीराम विवाह, परशुराम प्रसंग और अयोध्या वापसी के अनेक प्रसंगो का विस्तार से वर्णन करते हुये महात्मा जी ने कहा कि मिथिलानरेश के लिये सौभाग्य की बात है श्रीराम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न का विवाह एक ही मण्डप में सम्पन्न हुआ। विदाई का क्षण आया, साक्षात महालक्ष्मी सीता जी जनकपुरी छोड़कर जा रही है, मेरे जाने के बाद इन लोगों का क्या होगा ऐसा सोच माता जी ने अपने आंचल में चावल भरकर चारो ओर बिखेर दिये। आज भी मिथिला में चावल बहुत पकता है।

अयोध्या की प्रजा सीताराम का दर्शन कर रही है, दशरथ जी ने कहा यह परायी पुत्री हमारे घर आयी है जिस प्रकार से हमारी आंखों की रक्षा पलक करती है उसी प्रकार सीता जी की रक्षा करना '' वधू लरिकनी पर घर आई। राखेहु नयन पलक की नाई।।

महात्मा जी नें कहा कि दशरथ का राज्य प्रजातंत्र है। उनके मन में यह भाव आया कि अब श्रीराम का राज्याभिषेक कर दिया जाना

–9 दिवसीय संगीतमयी श्रीराम कथा

चाहिये। नारायण को तो अभी नर लीला करनी है। वैसे भी किसी का सम्पूर्ण सुख तो काल से भी नहीं देखा जाता। राजा दशरथ के सुख को काल की अशुभ नजर लग गयी। काल ने विघ्नेश्वरी में प्रवेश किया, विघ्नेश्वरी ने मन्थरा में प्रवेश किया।

महात्मा जी ने कहा कि परमार्थ में यदि कोई भूल हो जाय तो भगवान शायद क्षमा कर देते हैं किन्तु व्यवहार की छोटी सी भूल भी लोग क्षमा नहीं करते। व्यवहार बड़ा कठोर है। इससे सावधान रहना चाहिये।

श्रीराम कथा के छठवे दिन कथा व्यास का विधि विधान से आयोजक बाबूराम सिंह, मुख्य यजमान संजीव सिंह ने पूजन किया। नर्वदेश्वर शुक्ला शिवनारायण पाण्डेय, , अजय सिंह, अरुण त्रिपाठी, बद्री प्रसाद दुबे, शिवपूजन, डा. हनुमान सिंह डा. अभिषेक सिंह, जसवंत सिंह अनूप सिंह सुनील सिंह मातिबर सिंह राम कुमार गुप्ता नीरज गुप्ता बिपिन सिंह उर्फ सोनू हर्षित नीरज राजेश सिंह संतलाल गुप्ता गंगाप्रसाद पाण्डेय, हरिश्चंद्र पाण्डेय, त्रिभुवन पाण्डेय, आदित्य सिंह अनिल सिंह अरुण अनिल सिंह, सौरभ शास्त्री, डा. कृष्ण प्रसाद मिश्र, पतरू सिंह, जगदम्बा प्रसाद पाण्डेय, नन्दकिशोर पाण्डेय, सत्यनरायन द्विवेदी, अरूण सिंह, अजय सिंह, नीरज गुप्ता, मनोज गुप्ता, अनूप सिंह, जसवंत सिंह, चन्द्रभान गुप्ता, नीरज गुप्ता, हर्षित सिंह, आदित्य प्रताप सिंह, गणेश तिवारी, सुनील सिंह, रामू, राधेश्याम, विभा सिंह, इन्द्रपरी सिंह, दीक्षा सिंह, श्रद्धा सिंह, सोनू सिंह, शीला सिंह, महिमा सिंह, रागिनी सिंह के साथ ही बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक श्रीराम कथा में शामिल रहे।

माता–पिता की बात न मानने वाले सभी धुन्धकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । भागवत मनुष्य को निर्भय बनाता है। मनुष्य ईश्वर का भय नहीं रखता इसीलिये दुःखी है। भागवत के भगवान इतने सरल हैं कि वे सबके साथ बोलने को तत्पर है किन्तु अपने स्वार्थो में लिपटा हुआ जीव तो जगत के स्वामी की भी उपेक्षा कर देता है। यह सद् विचार जगत गुरू स्वामी राघवाचार्य जी महाराज ने 'उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी, में आठ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का सूत्रपात करते हुये व्यासपीठ से व्यक्त किया।

महात्मा जी ने कहा कि जो लोग माता पिता की बात नहीं मानते, समाज को कष्ट देते हैं ऐसे सभी लोग धुंधकारी है। कहा कि बिना ईश्वर के संसार अपूर्ण है। परमात्मा श्रीकृष्ण परिपूर्ण आनन्द स्वरूप है। भागवत शास्त्र का आदर्श दिव्य है। गोपियों ने घर नहीं छोड़ा, स्वधर्म का त्याग नहीं किया फिर भी वे श्रीभगवान को प्राप्त करने में सफल रहीं। महात्मा जी ने कहा कि दुःख में जो साथ दे वह ईश्वर और सुख में साथ देना वाला जीव है। श्रीकृष्ण की वन्दना से पाप जलते हैं।

ज्ञान और वैराग्य का विश्लेषण करते हुये महात्मा जी ने कहा कि सात दिन के भीतर परीक्षित को मुक्ति मिली। निश्चित था कि ठीक सातवे दिन उनका काल आने वाला है किन्तु हम काल को भूल

जाते हैं। वक्ता शुकदेव जी जैसा अवधूत और श्रोता परीक्षित जैसा अधिकारी हो तो मुक्ति मिल जाती है।

कथा महिमा का वर्णन करते हुये महात्मा जी ने कहा कि भागवत कथा का आनन्द ब्रम्हान्नद से भी श्रेष्ठ है। योगी तो केवल अपना उद्धार करता है किन्तु सतसंगी साथ में आये सभी का उद्धार करते हैं।

देवर्षि नारद की वृन्दावन में भक्ति से भेंट, भक्ति का दुःख दूर करने के लिये नारद जी का उद्योग , भक्ति के कष्ट की निवृत्ति सहित अनेक प्रसंगो का विस्तार से वर्णन करते हुये महात्मा जी ने महर्षि व्यास के भागवत रचना के परम और मंगलकारी उद्देश्य पर प्रकाश डाला।

मुख्य यजमान श्री धीरेन्द्र शुक्ल

–सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा

एवं श्रीमती बाग्श्वेरी शुक्ला ने विधि विधान से कथा व्यास का पूजन किया। मुख्य रूप से डा० राजन शुक्ला, विनय शुक्ला , संतोष श्रीवास्तव ,जगदीश मिश्रा नरेन्द्र सिंह,संतोष सिंह महेश शुक्ल के साथ ही विद्यालय के अन्य शिक्षकगण सपरिवार उपस्थित रहे।

सूर्य नमस्कार कर रहे अधेड़ को पिकअप ने मारी ठोकर

संवाददाता–गोरखपुर। गोला थाना क्षेत्र के गोला कौड़ीराम रोड़ स्थिति भरसी मोड़ पर सड़क से कुछ दुर आगे पटरी पर सूर्य नमस्कार कर रहे भरसी निवासी शम्भू नाथ मिश्र (75) सुबह करीब 8 बजे मार्निग वाक पर निकले थे। डड़वापार चौराहा स्थित भरसी मोड़ पर सड़क की पटरी पर सूर्य नमस्कार कर रहे थे कि कौड़ीराम की तरफ से आ रही सब्जी लदी पिकअप जिसे एक नाबालिग चला रहा था। अनियंत्रित होकर रौंदते हुए चली गई। दाहिना पैर बुरी तरह छतिग्रस्त हो गया है। घायल को परिजन गोरखपुर इलाज के लिए ले गये। भरसी निवासी शम्भू नाथ मिश्र प्रतिदिन की तरह गुरुवार को भी मार्निग वॉक पर निकले और भरसी मोड़ पर आकर सूर्य नमस्कार कर रहे थे कि कौड़ीराम की तरफ से आ रही पिकअप नम्बर यूपी 53 जीटी 3806 ने अनियंत्रित होकर शम्भू नाथ मिश्र को ठोकर मार दिया। इसमें उसका दाहिने पैर का निचला हिस्सा बुरी तरह कुचलगया है। परिजन इलाज के लिए ले गये।

मोदी सरकार की गारंटी को जनता का समर्थन – विपिन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कप्तानगंज विधानसभा क्षेत्र में जनता जनार्दन से भेंट मुलाकात कर होली की बधाई देते हुए भाजपा नेता विपिन त्रिपाठी ने कहा की भाजपा की गारंटी को जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है। इस दौरान क्षेत्र भ्रमण कर कार्यकर्ताओं से कुशल क्षेम जाना। इस दौरान प्रधानमंत्री की जनकल्याणकारी योजनाओं का पत्रक वितरण किया। कहा की विकास और सुशासन की पहचान, भाजपा और कमल निशान का जनता जनार्दन को याद दिलाया गया। युवा भाजपा नेता विपिन त्रिपाठी ने मतदाता साथियों से आग्रह किया कि भाजपा के चुनाव चिन्ह कमल निशान वाला बटन दबाकर अपना सहयोग बनाकर तीसरी बार केंद्र में मोदी सरकार बनाने में सहयोग करे।

भाजपा नेता के अहाते में मिली महिला की लाश

संवाददाता–गोरखपुर।

बेलीपार थाना क्षेत्र के महावीर छपरा चौराहे पर पूर्व प्रधान के घर काम करने वाली 18 वर्षीय युवती की उनके ही अहाते में हत्या कर फेंकी हुई लाश मिली है। सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी जितेंद्र कुमार, क्षेत्राधिकारी बांसगांव श्यामवीर सिंह, फोरेंसिक टीम तथा थानाध्यक्ष बेलीपार कुंवर गौरव सिंह मामले की जांच में जुटे हैं,शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार महावीर छपरा निवासी पूर्व प्रधान बबलू शाही उर्फ शिवप्रकाश शाही के घर पर गीडा थाना क्षेत्र के शुक्लहिया गांव निवासी सुभाष मद्धेशिया की पुत्री आंचल अपने ननिहाल महावीर छपरा में नाना रामचंद्र मद्धेशिया के घर रहकर विगत कई वर्षों से बबलू शाही के घर का कामकाज करती थी। 27 मार्च बुधवार के दिन बबलू शाही सपरिवारको कहीं बाहर गए हुए थे। आंचल शाम को 5 बजे अपने ननिहाल गई और कुछ देर बाद वापस चली आई।

पूर्व प्रधान बबलू शाही के अनुसार उनके मामा बगल के मकान में दूसरी मंजिल पर रहते हैं, देर शाम करीब 7रू30 बजे आंचल घर का सारा काम निपटाकर गेट में ताला बंद कर चाबी मामा को देकर घर चली गई। गुरुवार की सुबह जब वह काम पर नहीं आई तो हम लोग खोजने लगे, इस बीच मेरे टिनशेड वाले घर में उसका शव होने की सूचना पाकर पुलिस को सूचना दी। आंचल चार बहन एक भाई में दूसरे नंबर पर थी। मां रेखा, सभी बहनों व भाई तथा पिता सभी का रो रोकर बुरा हाल है। घटनास्थल से फॉरेंसिक टीम ने एक ईट ,रस्सी का टुकड़ा तथा गले में लगी ओढ़नी को जांच के लिए सुरक्षित किया है।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0 /2015
धारा 229 B/209 Z.A.ACT
अदालत–श्रीमान उप जिलाधिकारी (न्यायिक) बस्ती जिला–बस्ती
मो0 अनीश उर्फ राजू
बनाम
पंकज आदि

1. पंकज 2. रंजीत पुत्रगण स्व0 पन्नालाल 3. श्रीमती मेवाती पत्नी पन्नालाल साकिनान बस्ती खास डफाली टोला तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

4. सरकार उ0प्र0 जरिए जिलाधिकारी बस्ती 5. अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद बस्ती

–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 16–04–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 16 माह 04 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 28 माह 03 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी गुरूदीन पुत्र श्री टिड़ी गुप्ता ग्राम– खम्हरिया सुजात पोस्ट– हर्रैया तप्पा पुरैना परगना अमोढा तहसील हर्रैया जनपद बस्ती का निवासी है। मेरा पुत्र राजेश और पुत्र बधू मधु गुप्ता परिवार के कहने–सुनने में नहीं हैं। आये दिन विवाद और कलह किया करते हैं। परिवार के सदस्य इससे काफी परेशान और दुःखी है। इससे दुःखी होकर मैं अपने पुत्र और पुत्रबधू को अपने चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहा हूं। अब उनका मेरे परिवार से कोई वास्ता सरोकार नहीं है। अपने किसी भी कृत्य, विवाद, लेन देन आदि के लिये वे स्वंय जिम्मेदार होंगे। प्रकाशन इस लिये करा रहा हूं कि वक्त जरूरत पर काम आवे। दिनांक 22–03–2024

भगवानदास महाविद्यालय सम्बद्ध सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर, सिकन्दरपुर- बस्ती (उ.प्र.)

आवश्यकता है

भगवान दास महाविद्यालय, सिकन्दरपुर गायघाट –बस्ती में स्ववित्त पोषित योजनान्तर्गत बी०ए० कला संकाय हेतु शिक्षक/ शिक्षिकाओं की आवश्यकता है। 1–हिन्दी २– प्राचीन इतिहास 3– शिक्षाशास्त्र 4– भूगोल. 5–राजनीति शास्त्र 6– गृहविज्ञान 7–समाजशास्त ।

पद योग्यता – यूजीसी एवं उत्तर प्रदेश राज्य वि० वि० तथा सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु–सिद्धार्थनगर के मानक अनुसार आवेदक विज्ञापन से 21 दिन के अन्दर अपने समस्त प्रपत्र को सत्यापित एवं फोटो के साथ प्रेषित करे।

प्रबन्धक
भगवान दास महाविद्यालय, सिकन्दरपुर, गायघाट
जनपद– बस्ती
मो.न. 9793687542

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
वाद सं0–1830/2024
अदालत–श्रीमान उप जिलाधिकारी (न्यायिक) बस्ती जिला–बस्ती
अहमद हुसैन आदि
बनाम
डा0 मु0 हुसैन आदि

1. डा0 मुहम्मद हुसैन पुत्र करम हुसैन 2. कहकश प्रवीन पत्नी अफजल हुसैन 3. फौजिया अफजल पुत्री अफजल हुसैन 4. मो0 नाज हुसैन सिद्दीकी पुत्र अफजल हुसैन ग्राम बैदोलागढ़ तप्पा हल्लौर परगना रसूलपुर तहसील डुमरियागंज जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 01–04–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 01 महीना 04 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
मु0नं0–
अदालत–श्रीमान आयुक्त बस्ती मण्डल बस्ती जिला–बस्ती
सायरा
बनाम
सरकार उ0प्र0 आदि

1. नजर मोहम्मद पुत्र मकबूल हसन निवासी भदेाखर–भदोखरी तप्पा हीर परगना बांसी पश्चिम तहसील इटवा जिला सिद्धार्थनगर 2. जगमोहन पुत्र श्रीराम निवासी ग्राम मसजिदिया तप्पा हीर परगना बांसी पश्चिम तहसील इटवा जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 15–04–2024

अपील बनराजी आदेश अदालत अपर कले0 सि0नगर मुकाम मयरिखा 26 महीना 12 सन् 2017 ई0 रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी श्रीमती सायरा पत्नी दिलदार हुसेन इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 15 महीना 04 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 22 माह 03 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

घर में सो रहे युवक पर जानलेवा हमला

संवाददाता–गोरखपुर। गगहा क्षेत्र के कहला गांव निवासी सागर राय पुत्र विनोद राय बुधवार की रात को कमरे में सोया था। देर रात वह अचानक चीखने लगा। आवाज सुनकर सागर के पिता कमरे की तरफ गए तो देखा कि वह बिस्तर पर लहूलुहान पड़ा था। युवक के कान और गले पर गहरा घाव हो गया था। आरोप है कि राधे सोनकर चाकू से हमला कर धमकी देते हुए भाग निकला। घटना के बाद परिजनों ने घटना की सूचना पुलिस को दी और घायल सागर को इलाज के लिए अस्पताल ले गए।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0 28
धारा 116 उ0प्र0रा0सं0 2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी भानपुर बस्ती जिला–बस्ती
दुर्गा प्रसाद
बनाम
मुन्नी लाल
मौजा संसारपुर तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती

1. मुन्नी लाल पुत्र मंगरे साकिन भिटिया इन्द्रजीत सिंह तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 02–04–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 02 माह 04 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 18 माह 03 सन 2024 ई0 जारी किया गया। द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 420/2023
राम प्रकाश
बनाम
शत्रुहन आदि

1. शत्रुहन पुत्र मुक्तनाथ 2. अरूण कुमार पुत्र रूद्रनाथ 3. तरूण कुमार पुत्र रूद्रनाथ 4. शिव प्रकाश पुत्र भरत प्रसाद 5. श्यामापति पत्नी भरत प्रसाद 6. निशा पत्नी ओम प्रकाश 7. भूमि त्रिपाठी नावालिग पुत्री ओम प्रकाश 8. सृष्टि त्रिपाठी नावालिग पुत्री ओम प्रकाश निवासीगण ग्राम धूहा तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 03–05–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 03 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 314/2021
अरूण कुमार
बनाम
राम सहाय आदि

1. राम सहाय उम्र करीब 50 वर्ष 2. राम अजोर उम्र करीब 45 वर्ष पुत्रगण स्व0 सहदेव साकिनान मौजा भेलवल तप्पा पिपरा परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 04–07–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 04 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान द्वादश अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 399/2020
श्रीमती रजिया देवी आदि
बनाम
अफरोज अहमद आदि

1. अफरोज अहमद पुत्र मोहम्मद सईद साकिन धौरहरा तप्पा कबरा परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जिला–संतकबीरनगर हाल मुकाम पचपेड़िया बस्ती खास तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती 2. अंजनी देवी पत्नी हरिश्चन्द्र साकिन स्टेशन रोड त्रिपाठी मार्केट तप्पा विधियानी परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जिला–संतकबीरनगर हाल मुकाम पचपेड़िया बस्ती खास तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती 3. सतीश सोनकर पुत्र स्व0 बुधिराम 4. श्रीमती इन्द्रावती पुत्री बुधिराम पत्नी राम प्रसाद 5. श्रीमती निर्मला देवी पत्नी अभय सोनकर 6. श्रीमती राधिका पत्नी राहुल सोनकर पुत्रीगण स्व0 बुधिराम साकिनान चईयाबारी हाल मुकाम पचपेड़िया बस्ती खास तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती 7. राम प्रकाश 8. ओम प्रकाश पुत्रगण स्व0 रामशंकर 9. श्रीमती गुड़िया देवी पत्नी जमुना प्रसाद 10. विजय लक्ष्मी पत्नी प्रवीण कुमार 11. लक्ष्मी देवी पत्नी स्व0 जयप्रकाश 12. सुहानी 13. मुस्कान उर्फ एंजल नावालिगान पुत्रीगण स्व0 जय प्रकाश नातिन स्व0 रामशंकर ववलायत श्रीमती लक्ष्मी देवी माता हकीकी साकिनान मौजा पचपेड़िया बस्ती खास तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 15–04–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 15 माह 04 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

प्रापर्टी के लालच में धारदार हथियार से हमला, मुदमा दर्ज

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के महुली थाना क्षेत्र के सांखी निवासी व्यक्ति ने थाने में तहरीर देकर गांव के दो सगे भाइयों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि प्रॉपर्टी को लेकर विपक्षीगणों ने घर में घुसकर चाकू से हमला करके घायल कर दिया है। क्षेत्र के सांखी निवासी मायाराम पुत्र अनिल राय ने बताया कि गांव के आदर्श राय और अभिषेक से भूमि विवाद चल रहा है। इसी को लेकर 25 मार्च देर शाम को प्रतिवादी उसके घर में घुस गए। प्रॉपर्टी के लालच में मायाराम पर चाकू से हमला कर दिया। जिसके चलते वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मायाराम की तहरीर पर प्रतिवादी आदर्श राय, अभिषेक राय पुत्र संजय राय के खिलाफ घर में घुसकर चाकू से वार करना, गाली गलौज, जानमाल की धमकी देने की धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया है।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 537/2022
श्रीमती शीला
बनाम
मुकेश आदि

1. मुकेश उम्र लगभग 35 साल पुत्र संतलाल साकिन मेहदौना तप्पा जगरन्नाथपुर परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती 2. ग्राम पंचायत मेहदौना जरिये अध्यक्ष ग्राम पंचायत मेहदौना तप्पा जगरन्नाथपुर परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती 3. सरकार उ0प्र0 जरिये जिलाधिकारी बस्ती

तारीख पेशी 08–05–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 08 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 27 माह 03 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com